UPHIN/2011/39718

(डिजिटल संस्करण)

बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

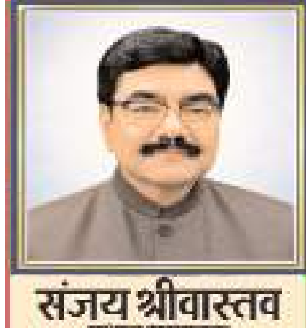

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत वेब न्यूज

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

वर्ष-14 अंक-262 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) शुक्रवार 04 सितम्बर 2026 youngbharatE-paper.com

मोदी के बाद बीजेपी का बॉस कौन? योगी या शाह नहीं, आरएसएस के सामने है इससे भी बड़ा सवाल

(यंग भारत न्यूज)

नरेंद्र मोदी के बाद बीजेपी की राजनीति कैसी होगी? यह सवाल अभी भविष्य के गर्भ में है, लेकिन इसके संभावित जवाब तलाशने की कोशिशें शुरू हो चुकी हैं. इसी बहस में दो नाम बार-बार सामने आते हैं- योगी आदित्यनाथ और अमित शाह.

एक के पास जनाधार, हिंदुत्व की स्वतंत्र पहचान और उत्तर प्रदेश जैसा विशाल राजनीतिक आधार है. दूसरे के पास संगठन, चुनावी रणनीति और सत्ता के राजनीतिक प्रबंधन का लंबा अनुभव. लेकिन इस पूरी बहस को सिर्फ योगी/शाह के रूप में देखना शायद आरएसएस की राजनीति को समझने के लिए पर्याप्त नहीं है. संघ के नजरिए से ज्यादा बड़ा सवाल यह हो सकता है कि मोदी के बाद बीजेपी को एक व्यक्ति चाहिए या ऐसा सिस्टम, जो किसी एक व्यक्ति पर निर्भर न हो. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार ने एक कैडर-आधारित संगठन के रूप में की थी. इसकी राजनीतिक यात्रा बाद में जनसंघ और फिर बीजेपी तक पहुंची. यही वजह है कि मोदी के बाद की बीजेपी को सिर्फ किसी एक नेता के उत्तराधिकारी के रूप में देखना संघ की कार्यशैली को बहुत सरल बना देना होगा. आरएसएस के लिए राजनीतिक नेतृत्व का अर्थ केवल लोकप्रिय चेहरा नहीं है. उसके लिए महत्वपूर्ण है- संगठन की निरंतरता, वैचारिक दिशा, कैडर का नियंत्रण और लंबे समय तक राजनीतिक प्रभाव बनाए रखने की क्षमता. यहीं से योगी और शाह की तुलना दिलचस्प हो जाती है. योगी का मॉडल Mass Politics से आता है. उनकी पहचान मुख्यमंत्री बनने से पहले ही गोरखनाथ पीठ और हिंदुत्व की राजनीति से जुड़ी रही है. अमित शाह का मॉडल इसके उलट Organ ization-driven Politics से ज्यादा जुड़ा दिखाई देता है. उनका राजनीतिक करियर संगठन, चुनाव प्रबंधन और रणनीतिक विस्तार के इर्द-गिर्द विकसित हुआ. 2. योगी आरएसएस के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं? क्योंकि उनकी ताकत 'उधार की' नहीं दिखतीयोगी आदित्यनाथ की राजनीतिक पूंजी को समझने के लिए केवल मुख्यमंत्री पद को देखना पर्याप्त नहीं है. उनकी पहली ताकत है धार्मिक-सामाजिक वैधता. गोरखनाथ पीठ के महंत के रूप में उनके पास एक ऐसा संस्थागत आधार है, जो सामान्य चुनावी राजनीति से अलग है. दूसरी ताकत है इलेक्टोरल क्रेडिबिलिटी. गोरखपुर से लंबे समय तक सांसद रहने के बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी राजनीतिक पहचान बनाई. तीसरी और शायद सबसे महत्वपूर्ण ताकत है उनकी स्वतंत्र हिंदुत्व पहचान.यही चीज उन्हें बीजेपी के कई दूसरे नेताओं से अलग करती है.योगी की राजनीति में हिंदुत्व केवल पार्टी लाइन का हिस्सा नहीं दिखता, बल्कि उनकी व्यक्तिगत राजनीतिक पहचान का भी हिस्सा है.यही कारण है कि उनके राजनीतिक कद को केवल संगठन द्वारा दिए गए पद से नहीं मापा जा सकता. लेकिन इसके साथ एक चुनौती भी है. जिस नेता की अपनी स्वतंत्र लोकप्रियता बहुत मजबूत हो, वह संगठन के लिए शक्ति भी हो सकता है और भविष्य में शक्ति-संतुलन का सवाल भी. यहीं योगी की ताकत और आरएसएस की संस्थागत सोच के बीच सबसे दिलचस्प संबंध बनता है. अगर योगी आरएसएस के लिए का चेहरा हैं, तो अमित शाह संगठनात्मक राजनीति की ताकत का प्रतिनिधित्व करते हैं. मोदी के साथ लंबे राजनीतिक सहयोग के दौरान शाह की भूमिका चुनावी रणनीति, संगठन विस्तार और सत्ता के राजनीतिक प्रबंधन से जुड़ी रही है.2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी की बड़ी जीत के दौरान पार्टी अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका ने उनकी छवि को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया. बाद में गृह मंत्री के रूप में भी वह केंद्र की सत्ता और बीजेपी के वैचारिक-राजनीतिक एजेंडे के प्रमुख चेहरों में रहे. योगी के पास जनता से सीधे जुड़ने वाला एक मजबूत राजनीतिक चेहरा है.शाह के पास संगठनात्मक नेटवर्क और राजनीतिक रणनीति को संचालित करने का अनुभव है.इसलिए अगर आरएसएस की प्राथमिकता 'एक लोकप्रिय उत्तराधिकारी' की बजाय 'एक मजबूत संगठनात्मक सिस्टम' है, तो शाह मॉडल की प्रासंगिकता अलग तरह की हो जाती है.

मिशन स्कूल के जमीन का तो हो गया फैसला मगर जालौन के बाजार में कब्ज़ा की जा रही बेहद कीमती नजूल लेंड पर डीएम की चुप्पी पर उठ रहे सवाल ?

उरई के सिविल लाइंस की बेशकीमती नजूल लेंड पर चल रहा था फर्जीवाड़े का खेल, डीएम की अदालत से सरकार के पक्ष मकी घोषित कर दी गई जमीन

- नजूल लैंड का नियम एक है हां तो डीएम की राय अलग-अलग क्यों ?
- प्रशासन के सबसे बड़े ओहदे पर बैठ कर डीएम राजेश पांडेय के एक्शन को बहुत गौर से देख रहा है समाज, सभी तरफ पूरा न्याय करने की मांग के साथ जालौन की नजूल लेंड हथियाने वालो के खिलाफ कठोरतम विभागीय एवम दंडनीय कार्यवाही की मांग
- 450 करोड़ की नजूल जमीन पर फर्जीवाड़े का खेल, 2014 में लीज खत्म फिर भी कब्जा क्यों नहीं हुआ मुक्त?
- उरई में 7.26 एकड़ बेशकीमती नजूल भूमि पर निजी अधिकार जताने के प्रयास का खुलासा
- जांच में फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेजों के जरिए सरकारी जमीन के विक्रय-हस्तांतरण की कोशिश सामने आई
- 99 साल की लीज वर्ष 2014 में समाप्त हो गई, लेकिन इसके बाद भी सरकारी भूमि निजी कब्जे से मुक्त नहीं कराई जा सकी
- प्रशासनिक जांच के बाद नगर पालिका ने संबंधित लोगों और संस्थाओं के खिलाफ कोतवाली उरई में दर्ज कराई एफआईआर

(यंग भारत न्यूज)

उरई। सरकारी जमीन को निजी संपत्ति में बदलने के कथित खेल ने जालौन प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। उरई के ग्राम लहरिया स्थित करीब 7.26 एकड़ नजूल भूमि, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 450 करोड़ रुपये बताई जा रही है, को लेकर प्रशासनिक जांच में फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेजों के जरिए निजी अधिकार जताने और भूमि के विक्रय अथवा हस्तांतरण का प्रयास सामने आया है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर हुई जांच के बाद अब कोतवाली उरई में एफआईआर दर्ज कराई गई है। लेकिन इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब भूमि की 99 वर्ष की लीज वर्ष 2014 में ही समाप्त हो चुकी थी तो पिछले करीब 12 वर्षों में इस बेशकीमती सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त क्यों नहीं कराया गया?

99 साल की लीज, 2014 में खत्म हुआ अधिकार

मामला गाटा संख्या 518, रकबा 7.26 एकड़ नजूल भूमि से जुड़ा है। प्रशासनिक जांच में सामने आया कि उक्त जमीन मूल रूप से नजूल संपत्ति है। अभिलेखों के अनुसार इसे 15 मार्च 1914 को वार्षिक लीज रेंट जमा करने तथा आवासीय मकान स्थापित करने की शर्त पर 99 वर्ष के पट्टे पर दिया गया था। पट्टे की शर्तों में कलेक्टर की अनुमति के बिना भवन में परिवर्तन करने और भूमि अथवा भवन के मूल उपयोग में बदलाव करने पर रोक थी। अभिलेखों में प्रारंभिक लीज ए.के. पसन्ना के नाम से दर्ज होने का उल्लेख है। बाद के दस्तावेजों में वर्ष 1918 में ए.के. पसन्ना की पुत्री एलिस पसन्ना द्वारा बी.सी.एच., पूना के पक्ष में भूमि का विक्रय किए जाने का उल्लेख मिला। इसके बाद बी.सी.एच., पूना के अधिकृत प्रतिनिधि मिस्टर जॉन ई. नॉटन द्वारा 23 सितंबर 1949 को मिस एडेलिन ग्रीगर के पक्ष में विक्रय का उल्लेख सामने आया।जांच में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह सामने आया कि 99 वर्ष की लीज वर्ष 2014 में समाप्त हो चुकी थी। इसके बावजूद जमीन को लेकर निजी अधिकार और लेन-देन के दावे सामने आते रहे।

सरकारी रजिस्टरों में सेल डीड का उल्लेख नहीं

जांच के दौरान संबंधित सेल डीड को लेकर भी गंभीर सवाल सामने आए। प्रशासनिक रिपोर्ट के अनुसार जिस दस्तावेज के आधार पर निजी अधिकार और लेन-देन का दावा किया गया, उसका कलेक्टर उरई के नजूल रजिस्टर तथा नगर पालिका परिषद उरई के संपत्ति रजिस्टर में कोई उल्लेख नहीं मिला। यही बिंदु पूरे मामले को गंभीर बनाता है। एक ओर सरकारी अभिलेख संबंधित भूमि को राज्य सरकार की संपत्ति दर्शाते हैं, वहीं दूसरी ओर निजी पक्ष की ओर से दस्तावेजों के आधार पर अधिकार जताने की बात जांच में सामने आई।

जांच समिति ने खोली दस्तावेजों की परतें

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने 6 मई 2026 और 27 मई 2026 के आदेशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की अध्यक्षता में त्रिसदस्यीय जांच समिति गठित की। समिति ने राजस्व अभिलेख, नजूल रजिस्टर, खतौनी, पुराने दस्तावेज और अन्य संबंधित रिकॉर्ड की पड़ताल की। जांच समिति की रिपोर्ट में मूल आवंटी से भिन्न व्यक्तियों द्वारा वर्ष 1953 में डीड तैयार कर नजूल भूमि को आर्थिक लाभ के उद्देश्य से कथित रूप से कूटरचित एवं फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से अवैधानिक तरीके से विक्रय किए जाने की बात सामने आई। जांच में इन दस्तावेजों के आधार पर ट्रस्ट आदि के निर्माण का भी उल्लेख किया गया है। समिति ने अपने निष्कर्ष में स्पष्ट किया कि शासकीय अभिलेखों में संबंधित भूमि राज्य सरकार की संपत्ति है।

2014 के बाद प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

मामले में अब सबसे बड़ा सवाल प्रशासनिक स्तर पर उठ रहा है। यदि 99 वर्ष की लीज वर्ष 2014 में समाप्त हो गई थी तो उसके बाद नजूल भूमि की स्थिति को लेकर तत्काल कार्रवाई क्यों नहीं की गई? क्या लीज समाप्त होने के बाद संबंधित भूमि का भौतिक सत्यापन कराया गया था? यदि कराया गया था तो कब्जा किसके नाम और किस आधार पर पाया गया? क्या लीज समाप्ति के बाद किसी स्तर पर नवीनीकरण अथवा अन्य वैधानिक प्रक्रिया अपनाई गई थी? इसके अलावा यह भी जांच का विषय है कि वर्ष 2014 से 2026 तक लगभग 12 वर्षों के दौरान संबंधित भूमि के संबंध में राजस्व और नगर निकाय के अधिकारियों ने क्या कार्रवाई की। यदि जमीन सरकारी संपत्ति थी तो उसके संरक्षण, निगरानी और कब्जा मुक्त कराने की जिम्मेदारी किस अधिकारी या विभाग की थी? क्या इस अवधि में जमीन के संबंध में किसी प्रकार के आवेदन, आपत्ति, निर्माण, हस्तांतरण अथवा बिक्री की जानकारी प्रशासन को हुई थी? इन सवालों का जवाब जांच के अगले चरण में सामने आना जरूरी है, क्योंकि मामला केवल कथित फर्जी दस्तावेजों तक सीमित नहीं है, बल्कि करोड़ों रुपये की सरकारी संपत्ति के लंबे समय तक निजी कब्जे में बने रहने से भी जुड़ा है।

नगर पालिका ने दर्ज कराई एफआईआर

जांच रिपोर्ट के आधार पर नगर पालिका परिषद उरई के अधिशासी अधिकारी रामअचल कुरील ने प्रभारी निरीक्षक, कोतवाली उरई को पत्र भेजकर संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।प्रकरण में वर्तमान कब्जेदार बेथनी क्रिश्चियन होम्स मिशन/बी.सी.एच. मिशन की प्रबंधक किरन के मसीह, निवासी पटेल नगर, उरई, संस्था से जुड़े अन्य व्यक्तियों तथा नजूल भूमि की खरीद-फरोख्त में शामिल बताए गए व्यक्तियों एवं संस्थाओं को कार्रवाई के दायरे में लिया गया है। आरोप है कि फर्जी लीज डीड और कूटरचित दस्तावेजों के सहारे सरकारी जमीन को निजी हित में खुर्द-बुर्द करने, उसका विक्रय अथवा हस्तांतरण करने और आर्थिक लाभ अर्जित करने का प्रयास किया गया। हालांकि आरोपों की अंतिम पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।

450 करोड़ की जमीन, अब कब्जा मुक्ति का इंतजार

करीब 450 करोड़ रुपये मूल्य की 7.26 एकड़ नजूल भूमि को लेकर एफआईआर दर्ज होने के बाद अब निगाह प्रशासन की अगली कार्रवाई पर है। सवाल यह है कि जांच और आपराधिक कार्रवाई के साथ क्या प्रशासन इस भूमि को मौके पर भी कब्जा मुक्त कराकर सरकारी नियंत्रण में लेगा? प्रकरण में प्रशासन द्वारा जांच कर एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन 2014 में लीज समाप्त होने के बाद अब तक कब्जा मुक्त न कराए जाने की जिम्मेदारी तय होना भी उतना ही जरूरी है। यदि सरकारी रिकॉर्ड में जमीन राज्य सरकार की संपत्ति के रूप में दर्ज थी, तो इतने लंबे समय तक उसकी निगरानी और संरक्षण में हुई चूक की भी जांच होनी चाहिए। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस मामले में केवल फर्जी दस्तावेज तैयार करने वालों पर आपराधिक कार्रवाई तक सीमित रहता है या फिर 2014 से अब तक सरकारी जमीन पर कब्जे की स्थिति, लीज समाप्ति के बाद की गई कार्रवाई और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच कर जिम्मेदारी तय करता है।

अखिलेश यादव का बड़ा दांव! बीजेपी के पूर्व केंद्रीय मंत्री को 'लपकने' की तैयारी में समाजवादी पार्टी?

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश की राजनीति में इस वक्त भले ही ऊपर से शांति नजर आ रही हो, लेकिन यह सन्नाटा किसी बड़े राजनीतिक तूफान के आने का संकेत दे रहा है। गलियारों में कई तरह के सवाल तैर रहे हैं और जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं हैं।

इसी खामोशी के बीच खबर निकलकर आ रही है कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का एक बहुत बड़ा दलित चेहरा किसी भी वक्त 'कमल' का साथ छोड़कर अखिलेश यादव की 'साइकिल' पर सवार हो सकता है। हम बात कर रहे हैं कौशल किशोर की। वह पूर्व सांसद रहे हैं, केंद्र सरकार में मंत्री पद संभाल चुके हैं और बीजेपी संगठन में भी उच्च पदों पर रह चुके हैं। सबसे अहम बात यह है कि वह मोहनलालगंज (सुरक्षित) सीट के पासी समाज के निर्विवादित और सबसे कद्दावर नेता माने जाते हैं, जिस पर इस वक्त अवध क्षेत्र की पूरी सियासत टिकी हुई है। कौशल किशोर का बीजेपी छोड़ना केवल एक नेता का पार्टी से जाना भर नहीं होगा, बल्कि अगर अखिलेश यादव ने उन्हें अपनी पार्टी में शामिल कर लिया, तो लखनऊ के ग्रामीण इलाकों में बीजेपी का पूरा चुनावी समीकरण ध्वस्त हो सकता है। कौशल किशोर, जिनकी पत्नी जयदेवी कौशल मलिहाबाद से बीजेपी विधायक हैं और खुद भी क्षेत्र की बड़ी नेता हैं, आखिर बीजेपी से मोहभंग होने की कगार पर क्यों पहुंच गए हैं? इसके पीछे की कहानी काफी पेचीदा मानी जा रही है। इसकी शुरुआत कुछ समय पहले हुई जब उनकी विधायक पत्नी ने गंभीर आरोप लगाया कि लखनऊ के एक मंदिर में उन्हें पूजा करने से सिर्फ इसलिए रोक दिया गया क्योंकि वह दलित समाज से आती हैं। हालांकि बीजेपी ने इस घटना को नकारा और इसकी निंदा भी की, लेकिन दलित समाज के बीच यह संदेश काफी तेजी से फैल गया। यह तो तात्कालिक कारण था, लेकिन असली खटास की वजह कुछ और ही है। चर्चा यह भी है कि कौशल किशोर इस बात से काफी खफा थे कि बीजेपी के भीतर उनकी पत्नी का आगामी चुनाव में टिकट काटने की बातें चल रही थीं। इसके अलावा, हाल ही में जब पार्टी संगठन में बड़े पदों का बंटवारा हुआ, तो कौशल किशोर को उसमें कोई जगह नहीं दी गई, जिसने उनकी नाराजगी को और बढ़ा दिया। कौशल किशोर अब अपनी नाराजगी को सार्वजनिक करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। उनके हालिया सोशल मीडिया पोस्ट्स और ट्वीट्स ने सीधे तौर पर एक तरह के 'युद्ध' का ऐलान कर दिया है। अपने एक ट्वीट में उन्होंने लिखा कि आज उनके एक मित्र से बात हो रही थी, जिन्होंने कहा कि गेंद जितनी ऊपर जानी थी चली गई और अब वह नीचे आ रही है, जिसकी स्पीड बढ़ती जा रही है। गेंद के गिरने की गति को कोई कम नहीं कर सकता। इस बात से विश्लेषक कयास लगा रहे हैं कि उनका सीधा इशारा बीजेपी के ग्राफ में आ रही गिरावट की ओर था। वहीं अपने दूसरे ट्वीट में उन्होंने लिखा कि कोई भी संगठन या आंदोलन जब अपने वसूलों से भटक जाता है तो वह वहीं पहुंच जाता है जहां से उसने शुरुआत की थी। विचारधारा से जुड़े लोगों का विश्वास भी टूट जाता है,

सावधान! सर्वे कंपनियों के नाम पर टिकट के दावेदारों से मोटी रकम वसूलने वाला गिरोह सक्रिय

शातिर दिमाग ठगों ने टिकटार्थियों को लिया अपने निशाने पर

- चुनाव लड़ने की अभिलाषा को केश कराना चाहते हैं ठग

अनिल शर्मा + संजय श्रीवास्तव

(यंग भारत न्यूज)

बुंदेलखंड, उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश में आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस, अपना दल, सुभासपा, आरएलडी, आजाद समाज पार्टी, एआईएमआईएम सहित विभिन्न राजनीतिक दल टिकट के संभावित दावेदारों की राजनीतिक ताकत और जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए सर्वे करा रहे हैं। इसी बीच सर्वे कंपनियों के नाम पर टिकट के दावेदारों से मोटी रकम वसूलने वाले कथित ठग गिरोह के सक्रिय होने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

बताया जा रहा है कि कथित गिरोह के लोग खुद को आईटी एक्सपर्ट या किसी सर्वे कंपनी का प्रतिनिधि बताकर टिकट के दावेदारों से संपर्क करते हैं। इसके बाद उनकी विधानसभा क्षेत्र में ऐसे स्थान पर जाकर, जहां संबंधित दावेदार की पकड़ अपेक्षाकृत कमजोर बताई जाती है, वहीं से उन्हें अपनी लोकेशन भेजी जाती है। दावेदार को बताया जाता है कि विधानसभा क्षेत्र में उसकी स्थिति कमजोर है और चुनाव में अभी पर्याप्त समय है। इसके बाद कथित तौर पर यह दावा किया जाता है कि विशेष सर्वे और टीम के माध्यम से उसकी स्थिति मजबूत कराकर पार्टी द्वारा तैयार किए जाने वाले संभावित पैनल में उसका नाम सबसे ऊपर कराया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, इसके बाद टिकट के दावेदार से टिकट मिलने तक पांच से दस लाख रुपये तक खर्च करने की बात कही जाती है। टिकट मिलने के बाद चुनाव में प्रचार-प्रसार के नाम पर करीब 20 लाख रुपये तक खर्च कराने का कथित आश्वासन दिया जाता है। इस तरह की शिकायतों के चलते बुंदेलखंड में कई टिकट के दावेदारों के कथित रूप से इस जाल में फंसने की बात कही जा रही है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

राजनीतिक नेताओं ने भी जताई चिंता

उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री रामकेश निषाद ने इस तरह के गिरोह से बचने की बात कहते हुए कहा कि वे लोग किसी गिरोह के चंगुल में फंसने से बच गए। झांसी के गरौठा से भाजपा विधायक जवाहर लाल राजपूत ने भी ऐसे लोगों द्वारा संपर्क किए जाने की बात स्वीकार की। झांसी सदर के भाजपा विधायक रवि शर्मा और बबीना के भाजपा विधायक राजीव परीक्षा के पास भी इस तरह के लोगों के संपर्क करने की बात सामने आई है। कालपी के विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ पुलिस-प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए और दोषियों को गिरफ्तार कर जेल भेजना चाहिए, ताकि टिकट के दावेदारों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। बांदा के भाजपा विधायक प्रकाश द्विवेदी, बांदा-चित्रकूट से सपा सांसद कृष्णा पटेल, हमीरपुर के सपा सांसद अजेंद्र लोधी तथा जालौन-गरौठा-भोगनीपुर क्षेत्र से सपा सांसद नारायण दास अहिरवार ने भी केंद्र और प्रदेश सरकार से ऐसे कथित गिरोह की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की।

अखिलेश यादव ने सरकार पर साधा निशाना

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद अखिलेश यादव ने इसे सरकार की विफलता बताते हुए जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि सर्वे कंपनियों के नाम पर टिकट के दावेदारों से खुलेआम रकम वसूली जा रही है तो सरकार को इसकी गंभीरता से जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए।

दावेदारों को सतर्क रहने की सलाह

बसपा के मंडल कोऑर्डिनेटर लाला राम अहिरवार, माधौगढ़ विधानसभा से भाजपा के टिकट के दावेदार कुंवर शीतल सेंगर तथा रामपुरा के ब्लॉक प्रमुख ने भी मामले को गंभीर बताते हुए सरकार से ऐसे लोगों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की मांग की। कुंवर शीतल सेंगर ने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि उनके पास भी ऐसे दो लोग आए थे। उन्हें शक होने पर उन्होंने कथित लोगों की पड़ताल की और उनकी असलियत सामने आने के बाद उन्हें फटकार लगाकर वहां से भगा दिया। 2027 के विधानसभा चुनाव में टिकट की होड़ के बीच कथित सर्वे के नाम पर पैसे मांगने वाले लोगों से दावेदारों को बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी व्यक्ति या कंपनी को रकम देने से पहले उसकी पहचान, अधिकृत नियुक्ति, सर्वे कंपनी और संबंधित राजनीतिक दल से उसके संबंधों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि करना जरूरी है।

आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही को शासन का कारण बताओ नोटिस, आचरण व कार्यशैली पर गंभीर आरोप

नियुक्ति अनुभाग-5 ने 15 दिन में मांगा जवाब, अखिल भारतीय सेवा आचरण नियमावली के उल्लंघन का आरोप

- कलेक्ट्रेट छोड़कर तहसील पहुंचने, नगर पालिका में टीम के बिना जांच और सोशल मीडिया पर पत्र वायरल करने का मामला
- अधिवक्ताओं, कर्मचारियों, शिक्षकों व अधिकारियों की शिकायतों का नोटिस में उल्लेख
- जिलाधिकारी की आख्या के आधार पर प्रथम दृष्टया दोषी बताए गए राही, जवाब न मिलने पर अभिलेखों के आधार पर होगा निर्णय
- रिंकू सिंह रही ने ट्वीट करके डीएम से पूछा है सवाल ?

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद जालौन में उप जिलाधिकारी (न्यायिक) उरई के पद पर तैनात आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही की कार्यशैली और आचरण को लेकर उत्तर प्रदेश शासन के नियुक्ति अनुभाग-5 ने गंभीर रुख अपनाया है। शासन ने 20 अगस्त 2026 को अखिल भारतीय सेवाएं (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1969 के नियम-10 (2) के तहत उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में जिलाधिकारी जालौन की ओर से भेजी गई जांच आख्या तथा

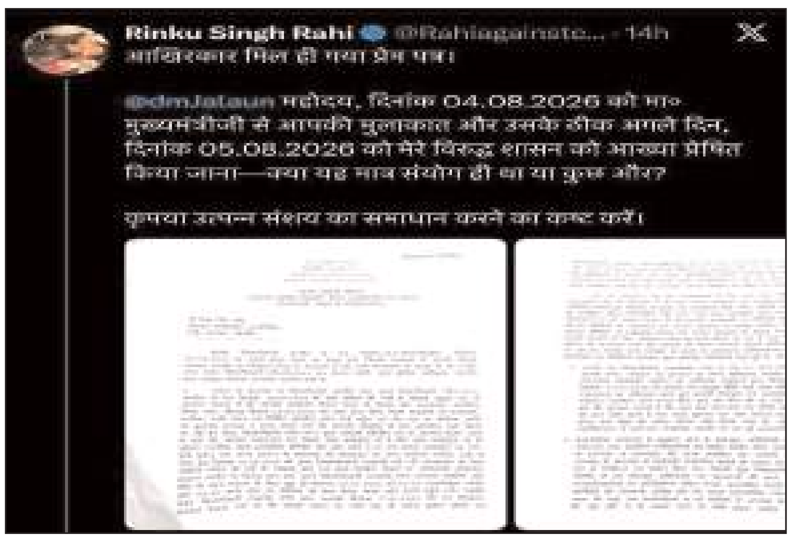

विभिन्न अधिकारियों, कर्मचारियों, अधिवक्ताओं, शिक्षकों और संगठनों की शिकायतों का हवाला देते हुए कई गंभीर आरोपों का उल्लेख किया गया है। शासन ने राही से नोटिस प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने को कहा है।

शासन के नोटिस के अनुसार जिलाधिकारी जालौन के पत्र संख्या 294/ओएसडी दिनांक 5 अगस्त 2026 के माध्यम से विभिन्न शिकायतों के संबंध में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राजीव राज तथा अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी की आख्या उपलब्ध कराई गई थी। इन्हीं अभिलेखों के आधार पर शासन ने राही के विरुद्ध प्रथम दृष्टया आरोपों को गंभीर माना है।

कलेक्ट्रेट छोड़कर तहसील पहुंचने का आरोप

नोटिस में कहा गया है कि राही को कलेक्ट्रेट भवन में चैम्बर और न्यायालय कक्ष आवंटित किया गया था। आरोप है कि 27 जून 2026 को उन्होंने बिना अनुमति कलेक्ट्रेट से फर्नीचर आदि लेकर नव-निर्मित तहसील सदर उरई पहुंचकर वहां मीडिया को बुलाया और कक्ष आवंटित नहीं किए जाने को लेकर धरना एवं प्रदर्शन किया। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) द्वारा लिखित रूप से अवगत कराए जाने के बाद कि उनका न्यायालय एवं चैम्बर कलेक्ट्रेट में ही है और वहीं से पूर्ववत न्यायिक कार्य करें, वह रात करीब नौ बजे वापस कलेक्ट्रेट लौटे।

नगर पालिका जांच को लेकर भी उठे सवाल

नोटिस में नगर पालिका परिषद उरई से जुड़े एक मामले का भी उल्लेख किया गया है। सभासदों की शिकायत पर 18 जून को अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की गई थी। इसमें राही और लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को सदस्य नामित किया गया था। शासन के अनुसार बाद में राही को उनके स्थान पर जांच के लिए एसडीएम जालौन राकेश कुमार सोनी को नामित किए जाने की जानकारी दी गई थी। इसके बावजूद आरोप है कि 29 जुलाई को राही करीब 20-25 अनधिकृत व्यक्तियों, 70-80 अन्य लोगों और मीडिया के साथ नगर पालिका परिषद उरई पहुंच गए और लाइव जांच की। नोटिस में कहा गया है कि तीन से चार घंटे तक वहां बड़ी संख्या में निजी व्यक्तियों और मीडिया की मौजूदगी रही तथा कुछ दस्तावेजों को अनधिकृत निजी व्यक्तियों के माध्यम से स्कैन कराया गया। शासन ने इसे निर्धारित संस्थागत जांच प्रक्रिया से अलग कार्यप्रणाली बताया है।

अधिवक्ताओं और कर्मचारियों की शिकायतों का भी जिक्र

कारण बताओ नोटिस में डिस्ट्रिक्ट जालौन बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं की शिकायतों का भी उल्लेख है। 22 और 27 जुलाई को दिए गए प्रार्थना पत्रों में राही की कार्यशैली को लेकर आपत्तियां जताई गई थीं। नोटिस के अनुसार अधिवक्ताओं ने उनके न्यायालय का बहिष्कार करते हुए न्यायिक कार्य वापस लिए जाने की मांग की थी। शिकायतों में उनके द्वारा कथित रूप से कठोर एवं आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल तथा न्यायिक आदेश समय से पारित न किए जाने के आरोप लगाए गए।

इसी प्रकार उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के 29 मई के ज्ञापन में भवन गणना जैसे सरकारी कार्य में लगे शिक्षकों के साथ कथित अमर्यादित भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाया गया। नोटिस में यह भी कहा गया है कि शिक्षकों को कथित तौर पर अपमानजनक शब्दों से संबोधित किया गया और व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से दबाव बनाया गया।

तहसील कर्मचारियों ने भी लगाए गंभीर आरोप

नायब नाजिर/प्रधान सहायक भानुमति की ओर से 27 मई को दिए गए प्रार्थना पत्र में कथित मानसिक उत्पीड़न, अनावश्यक दबाव, वेतन रोकने और सेवा समाप्ति की धमकी दिए जाने की शिकायत का उल्लेख है। वहीं उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ, उपशाखा जालौन के 29 जून के ज्ञापन में राही की कार्यशैली को कथित रूप से अमानवीय, भय उत्पन्न करने वाली और अपमानजनक बताया गया।

नोटिस में जिलाधिकारी कार्यालय की 30 जून की जांच आख्या का भी उल्लेख है। इसमें उपलब्ध अभिलेखों, संबंधित पक्षों के कथनों और शिकायतों की जांच के बाद कर्मचारियों में असंतोष, भय और तनाव का वातावरण बनने की बात कही गई। शासन के अनुसार जांच आख्या में यह भी उल्लेखित था कि इससे राजस्व संबंधी योजनाओं, आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण और राजस्व वादों के शीघ्र निस्तारण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

कोल्ड स्टोरेज जांच का मामला भी शामिल

ब्लॉक प्रमुख विकासखंड जालौन रामराजा निरंजन की शिकायत को भी नोटिस में प्रमुखता से शामिल किया गया है। शिकायत में संयुक्त जांच के दौरान कथित अभद्र व्यवहार, धक्का देने तथा थप्पड़ मारने के प्रयास के आरोप लगाए गए थे। आरोप यह भी था कि संयुक्त जांच आख्या भेजे जाने से पहले ही राही ने उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया।

इस शिकायत की जांच जिलाधिकारी द्वारा राही और अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी को निष्पक्ष रूप से सौंपी गई थी। 7 जुलाई को भेजी गई संयुक्त जांच आख्या में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर शिकायत में लगाए गए आरोपों को प्रथम दृष्टया सही पाए जाने तथा इस आचरण से शासन-प्रशासन की छवि प्रभावित होने की बात कही गई है।

अधिकारियों से व्यवहार को लेकर भी शिकायतें

प्रभारी तहसीलदार जालौन तारा शुक्ला की ओर से भेजे गए पत्र में भी राही के साथ कार्य संबंधी व्यवहार को लेकर शिकायत का उल्लेख है। इसी तरह तत्कालीन एसडीएम उरई ज्योति सिंह द्वारा 2 जुलाई को भेजे गए पत्र में एक दिव्यांग महिला अधिकारी के प्रति कथित भाषा और व्यवहार को प्रशासनिक मर्यादा एवं संस्थागत सम्मान के प्रतिकूल बताया गया है।

नोटिस में गाटा संख्या 892 मुहाल नजूल भूमि प्रकरण का भी उल्लेख है। आरोप है कि जांच में संबंधित लेखपाल की गंभीर लापरवाही और संभावित मिलीभगत का उल्लेख करने के बावजूद उसके विरुद्ध सक्षम स्तर से कार्रवाई शुरू नहीं की गई और आख्या सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दी गई।

सोशल मीडिया गतिविधियों पर शासन ने जताई आपत्ति

शासन ने राही की सोशल मीडिया गतिविधियों को भी नोटिस में गंभीरता से लिया है। आरोप है कि उनके द्वारा समय-समय पर शासन के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित पत्र सोशल मीडिया पर सार्वजनिक किए गए। शासन का कहना है कि निर्धारित संस्थागत और वैधानिक माध्यमों के बजाय प्रशासनिक विषयों को सार्वजनिक मंच पर रखने से एकपक्षीय धारणा, भ्रम और भ्रांतियां उत्पन्न होने की संभावना रहती है।

नोटिस में यह भी आरोप लगाया गया है कि राही द्वारा सरकारी कार्यों और जन शिकायतों के निस्तारण के बजाय शासन की योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों की सार्वजनिक आलोचना की जाती रही तथा सोशल मीडिया के माध्यम से शासन-प्रशासन के विरुद्ध कथित रूप से नरेटिव तैयार करने का प्रयास किया गया। साथ ही बिना पर्याप्त साक्ष्य के कथित आरोपों वाली पोस्ट प्रसारित करने का भी उल्लेख किया गया है।

15 दिन में जवाब, नहीं तो अभिलेखों के आधार पर निर्णय

शासन ने कहा है कि जिलाधिकारी जालौन द्वारा उपलब्ध कराई गई आख्या से राही प्रथम दृष्टया दोषी प्रतीत होते हैं और उनका कथित आचरण अखिल भारतीय सेवाएं (आचरण) नियमावली, 1968 के नियम-3 के उल्लंघन की श्रेणी में आता है। इसी आधार पर अखिल भारतीय सेवाएं (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1969 के नियम-10 (2) के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

शासन ने राही को निर्देश दिया है कि नोटिस प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर अपना उत्तर अथवा पक्ष नियुक्ति विभाग, उत्तर प्रदेश शासन को उपलब्ध कराएं। निर्धारित अवधि में जवाब प्राप्त नहीं होने पर शासन ने स्पष्ट किया है कि यह माना जाएगा कि उन्हें इस संबंध में कुछ नहीं कहना है और उपलब्ध अभिलेखों तथा मामले के गुण-दोष के आधार पर यथोचित निर्णय लिया जाएगा।

फिलहाल शासन के इस नोटिस के बाद जालौन के प्रशासनिक गलियारों में मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि नोटिस में लगाए गए आरोपों पर रिंकू सिंह राही का पक्ष सामने आना अभी बाकी है। उनका जवाब मिलने के बाद शासन स्तर पर मामले में आगे की कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट होगी।

यूपी चुनाव 2027: 'एमएलए पत्नी को मंदिर में पूजा करने से रोका', क्या बीजेपी के बड़े दलित नेता को तोड़ लेंगे अखिलेश यादव?

(यंग भारत न्यूज)

यूपी की सियासत में इस वक्त सन्नाटा तो है, लेकिन यह तूफान के पहले वाली खामोशी जैसा महसूस हो रहा है. सवाल तैर रहे हैं, लेकिन जवाब फिलहाल नदारद हैं. लेकिन इसी खामोशी के बीच खबर यह आ रही है कि बीजेपी का एक बहुत बड़ा दलित चेहरा किसी भी वक्त 'कमल' का साथ छोड़कर 'साइकिल' पर सवार हो सकता है.

हम बात कर रहे हैं कौशल किशोर की. सांसद रहे, केंद्र में मंत्री रहे, संगठन में बड़े पदों पर रहे और सबसे अहम बात मोहनलालगंज (सुरक्षित) सीट के उस पासी समाज के निर्विवादित और सबसे कद्दावर नेता, जिस पर इस वक्त अवध में सियासत टिकी है. कौशल किशोर का बीजेपी छोड़ना केवल एक नेता का जाना भर नहीं होगा, बल्कि अगर अखिलेश यादव ने उन्हें 'लपक' लिया (जिसकी पूरी संभावना है), तो लखनऊ के ग्रामीण इलाकों में बीजेपी का पूरा समीकरण ही ध्वस्त हो जाएगा.कौशल किशोर, जिनकी पत्नी जयदेवी कौशल मलिहाबाद से विधायक हैं और खुद भी बड़ी नेता हैं, आखिर क्यों बीजेपी से मोहभंग होने के कगार पर हैं? इसके पीछे की कहानी काफी पेचीदा है. मंदिर विवाद और दलित अस्मिता: शुरुआत कुछ समय पहले हुई जब उनकी विधायक पत्नी ने आरोप लगाया कि लखनऊ के एक मंदिर में उन्हें पूजा करने से सिर्फ इसलिए रोका गया क्योंकि वह दलित हैं. बीजेपी ने इसे नकारा और निंदा भी की, लेकिन दलित समाज में यह संदेश 'जंगल की आग' की तरह फैल गया. यह तो तात्कालिक कारण था, लेकिन असली खटास यहीं से शुरू हुई.कटने वाला था टिकट? चर्चा यह भी है कि कौशल किशोर इस बात से नाराज थे कि बीजेपी के भीतर उनकी पत्नी का टिकट काटने की बात चल रही थी.संगठन में अनदेखी: हाल ही में जब संगठन में बड़े पदों का बंटवारा हुआ, तो कौशल किशोर को वहां कोई जगह नहीं मिली. यह उनकी नाराजगी का एक और बड़ा कारण बना.कौशल किशोर अब अपनी नाराजगी छिपा नहीं रहे हैं. उनके हालिया ट्वीट्स ने तो जैसे सीधा 'युद्ध' का ऐलान कर दिया है. पहला ट्वीट: उन्होंने लिखा, 'आज मेरे एक मित्र से बात हो रही थी तो उन्होंने कहा कि गेंद जितनी ऊपर जानी थी चली गई. अब नीचे आ रही है और नीचे आने की स्पीड भी बढ़ती जाती है. गेंद के गिरने की स्पीड को कोई कम नहीं कर सकता.' दूसरा ट्वीट: 'कोई भी संगठन या आंदोलन जब अपने वसूलों से भटक जाता है तो जहां से शुरू करता है वहीं आ जाता है. विचारधारा से जुड़े लोगों का विश्वास भी टूट जाता है. इसलिए वसूलों से टकराना नहीं चाहिए.' (यानी, जिस विचारधारा के लिए वो बीजेपी में आए थे, अब वो विचारधारा बीजेपी में नहीं रही यह कौशल किशोर का बड़ा आरोप है.) सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि कौशल किशोर बीजेपी छोड़ेंगे या नहीं; बड़ा सवाल यह है कि अगर वो समाजवादी पार्टी में गए, तो बीजेपी को कितना नुकसान होगा? बीजेपी के लिए कौशल किशोर का जाना एक बड़ा 'सरदर्द' है. अखिलेश यादव उन्हें दोनों हाथों से लपकने के लिए तैयार हैं. उन्हें वो सम्मान, उनकी पत्नी को वो टिकट वो सब मिलेगा, जो वो चाहेंगे. पासी समाज में उनका जो प्रभाव है, उसका सीधा फायदा अखिलेश को होगा. अवध के इलाकों में, खासकर मोहनलालगंज जैसी सीटों पर, जहां पासी समाज का बड़ा दबदबा है, वहां बीजेपी के लिए हालात खराब हो सकते हैं.

कमरे में पति के बिस्तर पर प्रेमी संग पकड़ी गई नई दुल्हन, चर्चित मामले में नया मोड़

यूपी के झांसी जिले के चिरगांव थाना क्षेत्र में 25 जून को ब्याही गई एक महिला को उसके पति और ससुराल वालों ने एक युवक के साथ रंगेहाथ पकड़कर जबरन 7 बार मांग भरवाई थी. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अब पीड़ित महिला ने अपने बयान से मामले में नया मोड़ ला दिया है.

महिला के मुताबिक साथ पकड़ा गया युवक राहुल पंडित उसका प्रेमी नहीं बल्कि मायके के पास रहने वाला दोस्त था. जेठ रिंकू ने धमकी देकर राहुल को बुलवाया और मारपीट कर दोनों के कपड़े उतरवाए. इसके बाद राहुल से और फिर खुद जेठ ने उसके साथ रेप किया.महिला का कहना है कि ससुराल जाने पर सास और ननद ने उसके सारे जेवर छीन लिए और मारपीट की. ससुराल वाले दहेज में थार कार की मांग कर रहे थे और पति की सरकारी नौकरी लगने पर दूसरी शादी की धमकी दे रहे थे. मांग पूरी न होने पर उसे फंसाने की साजिश रची गई और फर्जी ऑडियो वायरल किया गया.मामले में महिला और युवक के बीच बातचीत का एक ऑडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें महिला उसे जल्दी बुलाते और चूड़ी के बारे में बात करते सुनाई दे रही है. महिला ने दावा किया है कि उसे फंसाने के लिए यह ऑडियो एआई की मदद से तैयार किया गया है.पीड़िता का आरोप है कि उसने पुलिस के सामने भी अपना पक्ष रखा लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई. उसे धमकाकर झूठा वीडियो बनाया गया और राहुल से जबरन मांग भरवाई गई. अब महिला और उसके माता-पिता प्रशासन से न्याय की मांग कर रहे हैं.

यूपी 2027: का कहत बा यूपी? राम मंदिर में जितेंद्र मिश्रा की एंट्री से खोखली हुई सपा-बीएसपी की ब्राह्मण पॉलिटिक्स? 14% वोट के लिए छटपटा रहे अखिलेश-मायावती!

(यंग भारत न्यूज)

पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वोट के अपने-अपने समीकरणों के बीच अब ब्राह्मण वोट पर भी नजरें टिक गई हैं. बीजेपी के पारंपरिक सामाजिक आधार में गिने जाने वाले इस वर्ग को अपने पाले में बनाए रखना बीजेपी के लिए चुनौती है, तो समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के लिए इसमें सेंध लगाना बड़ी जरूरत है. इसी बीच अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट में रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा की एंट्री ने एक नई राजनीतिक चर्चा को जन्म दिया है. 2 सितंबर 2026 को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने जितेंद्र मिश्रा को अपना पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी यानी ष्टश्वह्र नियुक्त किया गया है. ट्रस्ट में तीन और नए ट्रस्टियों की भी नियुक्ति हुई है. इनमें मदन मोहन पांडेय, महेश भागचंदका और डॉ. निर्मला यादव शामिल हैं. निर्मला यादव ट्रस्ट की पहली महिला ट्रस्टी बनी हैं.

अब सवाल यह है कि इस बदलाव को 2027 की यूपी की ब्राह्मण राजनीति से जोड़कर क्यों देखा जा रहा है? क्या अयोध्या और राम मंदिर का मुद्दा बीजेपी के पुराने सामाजिक समीकरण को और मजबूत कर सकता है? क्या इससे अखिलेश यादव और मायावती की ब्राह्मणों को साधने की कोशिश मुश्किल होगी? या फिर ब्राह्मण वोट अब किसी एक दल की स्थायी जागीर नहीं रह गया है? 'का कहत बा यूपी?' के 18 में समझिए यूपी के करीब 10-14 फीसदी माने जाने वाले ब्राह्मण वोट की पूरी सियासी कहानी और क्यों इस बार अखिलेश से लेकर मायावती तक इस वोट बैंक को साधने में जुटे हैं. सिलसिलेवार सब बातें समझते हैं. सबसे पहले आंकड़े की बात करे तो उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण आबादी का कोई आधिकारिक और मौजूदा जातीय जनगणना आंकड़ा उपलब्ध नहीं है. इसलिए अलग-अलग राजनीतिक विश्लेषणों में इसकी संख्या अलग-अलग बताई जाती है. किसी मीडिया रिपोर्ट में यूपी के कुल मतदाताओं में ब्राह्मण हिस्सेदारी करीब 10 फीसदी बताई गई है. किसी में करीब 14% तक. लेकिन हर रिपोर्ट में यह बात जरूर है ?कि संख्या भले बहुत बड़ी न हो, लेकिन ब्राह्मण मतदाता बड़ी संख्या में विधानसभा क्षेत्रों में फैले हुए हैं. यही वजह है कि करीब 100 से ज्यादा सीटों पर विधानसभा सीटों पर इनका असर हो सकता है. यानी मामला सिर्फ 10 या 14 फीसदी वोट का नहीं है. असली बात यह है कि यह वोट अलग-अलग क्षेत्रों में बंटा हुआ है और करीबी

मुकाबले वाली सीटों पर जीत-हार का अंतर बदल सकता है. यूपी में ब्राह्मण वोट और बीजेपी के रिश्ते की कहानी नई नहीं है. राम मंदिर आंदोलन के दौर में बीजेपी और ब्राह्मण मतदाताओं के बीच राजनीतिक रिश्ता मजबूत हुआ. 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद यह रिश्ता और मजबूत होता गया. चुनावी विश्लेषण के मुताबिक 2014 में करीब 72 फीसदी ब्राह्मण वोट बीजेपी के साथ गया था. 2017 के विधानसभा चुनाव में यह आंकड़ा करीब 80 फीसदी और 2019 के लोकसभा चुनाव में करीब 82 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया था. इसीलिए ब्राह्मण वोट बीजेपी के लिए महज एक और जातीय समूह नहीं माना जाता. पार्टी के पुराने सामाजिक गठजोड़ में इसका अहम स्थान रहा है. लेकिन राजनीति स्थिर नहीं रहती. 2024 के लोकसभा चुनाव में यूपी में बीजेपी के प्रदर्शन में गिरावट आई और विपक्षी दलों ने अपने सामाजिक गठजोड़ को मजबूत किया. अब 2027 से पहले सवाल यह है कि क्या बीजेपी अपना पुराना ब्राह्मण समर्थन उसी मजबूती से बनाए रख पाएगी? समाजवादी पार्टी के लिए चुनौती और दिलचस्प है. अखिलेश यादव की राजनीति का सबसे चर्चित फॉर्मूला पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक रहा है. 2024 के लोकसभा चुनाव में यही सामाजिक गठजोड़ बीजेपी के खिलाफ काफी प्रभावी रहा. लेकिन विधानसभा चुनाव लोकसभा से अलग होता है. 403 सीटों पर मुकाबला होता है और हर क्षेत्र का जातीय समीकरण अलग होता है. इसलिए सपा अब अपने पीडीए आधार के साथ दूसरे सामाजिक समूहों तक पहुंच बढ़ाने की कोशिश कर रही है. ब्राह्मणों को लेकर अखिलेश यादव का रुख भी इसी बदलाव का हिस्सा है. पार्टी ने वरिष्ठ ब्राह्मण नेता माता प्रसाद पांडेय को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाया. इसके अलावा अयोध्या के पूर्व विधायक पवन पांडेय को 2027 के लिए सपा का उम्मीदवार घोषित किया गया है.

कभी कच्ची छत के नीचे गुजरती थी जिंदगी, अब अपने पक्के घर में संवर रहे सपने

- प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना ने जालौन के हजारों गरीब परिवारों को दिया सुरक्षित आशियाना और सम्मान की जिंदगी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। बारिश आती थी तो चिंता सताती थी छत टपकती थी तो रात जागकर कटती थी। कच्ची दीवारों और असुरक्षित छत के बीच जिंदगी गुजार रहे गरीब परिवारों के लिए अपना पक्का घर किसी सपने से कम नहीं था। आज वही सपना हकीकत बन चुका है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण और मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण ने जालौन के हजारों जरूरतमंद परिवारों को सिर्फ पक्की छत ही नहीं दी, बल्कि उनके जीवन में सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य की उम्मीद भी लाई है। जनपद जालौन में अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 26,668 तथा मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 5,870 परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराया जा चुका है। कभी कच्चे घरों में रहने वाले इन परिवारों के लिए आज उनका अपना पक्का मकान सरकारी योजना का लाभ भर नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला अनुभव बन गया है। आवास की सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में पहुंचने से योजना में पारदर्शिता भी सुनिश्चित हो रही है। नदीगांव विकास खण्ड के ग्राम खकसीस की लक्ष्मी की कहानी इसी बदलाव की तस्वीर है। लक्ष्मी के परिवार के सामने सबसे बड़ी चिंता सुरक्षित छत की थी। कच्चे मकान में रहने के दौरान बारिश और मौसम की खराबी परिवार के लिए परेशानी लेकर आती थी। प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलने के बाद जब उनके परिवार को अपना पक्का घर मिला तो वर्षों की चिंता दूर हो गई। अब उनके परिवार के पास ऐसी छत है, जिसके नीचे वे मौसम की चिंता किए बिना सुकून से रह सकते हैं।

महेवा विकास खण्ड के ग्राम सिमरा शेखपुर की रामबेटी के जीवन में भी मुख्यमंत्री आवास योजना ने नई रोशनी लाई। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पक्का मकान बनवा पाना उनके लिए आसान नहीं था। योजना के माध्यम से मिली मदद से उनका अपना पक्का घर तैयार हुआ। रामबेटी के लिए यह सिर्फ ईंट और सीमेंट से बना मकान नहीं, बल्कि परिवार के सुरक्षित भविष्य की नींव है। अपने घर की पक्की छत के नीचे परिवार के साथ रहना उनके लिए वर्षों पुराने सपने के पूरा होने जैसा है। वहीं रामपुरा विकास खण्ड के ग्राम फतेहपुराकलां निवासी राममोहन के लिए मुख्यमंत्री आवास योजना किसी सहारे से कम नहीं रही। आर्थिक परेशानियों के बीच पक्का घर बनवाना उनके लिए बड़ी चुनौती थी। सरकारी योजना का लाभ मिलने के बाद यह चुनौती आसान हुई और परिवार को अपना सुरक्षित आशियाना मिल गया। राममोहन के जीवन में आया यह बदलाव बताता है कि जब सरकार की योजना सही जरूरतमंद तक पहुंचती है तो उसका असर कागजों से निकलकर सीधे परिवार की जिंदगी में दिखाई देता है। इन परिवारों की तरह जनपद के हजारों गरीब परिवारों के लिए पक्के आवास का सपना अब हकीकत बन चुका है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना का उद्देश्य ऐसे पात्र परिवारों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है, जो कच्चे अथवा असुरक्षित घरों में जीवन यापन कर रहे थे। योजना के तहत मिलने वाली सहायता सीधे बैंक खाते में पहुंचने से लाभार्थियों को आर्थिक मदद के साथ व्यवस्था पर भरोसा भी मिला है। एक पक्का मकान किसी गरीब परिवार के लिए सिर्फ चार दीवारें नहीं होता, वह बच्चों के सपनों की छत, परिवार की सुरक्षा और सम्मान से जीने का आधार होता है। जालौन में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण और मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के जरिए यही बदलाव हजारों परिवारों के जीवन में दिखाई दे रहा है जहां कभी बारिश की बूंदों से बचने की चिंता थी, वहां अब अपने पक्के घर में बेहतर कल के सपने आकार ले रहे हैं।

जालौन में 9,786 किशोरियों को लगेगा एचपीवी का टीका

- डीएम ने कहा- अभियान को जनभागीदारी से बनाएं सफल, विद्यालयों में शत-प्रतिशत टीकाकरण पर जोर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में जनपद में व्यापक एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू हो गया है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अभियान की तैयारियों को लेकर जनपद स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक एवं धर्म गुरु सहभागिता सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अभियान 03 से 17 सितंबर तक चलेगा, जिसमें 14 वर्ष की ऐसी किशोरियों, जिनका 14वां जन्मदिन हो चुका है और 15वां जन्मदिन अभी नहीं हुआ है, को टीका लगाया जाएगा। जनपद में 9,786 बालिकाओं को 10 सितंबर तक टीकाकरण से आच्छादित करने का लक्ष्य रखा गया है।

जिलाधिकारी ने अभियान में विद्यालयों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों, राजकीय बालिका इंटर कॉलेजों सहित सभी संबंधित विद्यालयों में पात्र बालिकाओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षक एवं विद्यालय प्रबंधन किशोरियों और उनके अभिभावकों को एचपीवी संक्रमण, सर्वाइकल कैंसर से बचाव तथा टीके के महत्व की सही जानकारी दें। जिलाधिकारी ने राजकीय मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक को काशीराम कॉलोनी में विशेष कैंप लगाकर लक्षित बालिकाओं का टीकाकरण कराने के निर्देश दिए। जिला महिला एवं पुरुष चिकित्सालयों में व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ टीकाकरण के बाद होने वाली प्रतिकूल घटनाओं (AEFI) के प्रबंधन की तैयारी रखने तथा ओपीडी में आने वाली महिलाओं एवं बालिकाओं को टीके के लाभ की जानकारी देने को कहा गया। आशा, एएनएम, सीएचओ एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी लक्षित परिवारों से संपर्क कर उन्हें जागरूक करेंगे। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि अभियान में Gardasil (Quadrivalent) वैक्सीन का प्रयोग किया जाएगा। टीकाकरण जिला चिकित्सालय, सीएचसी, पीएचसी, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर/उपकेंद्रों के साथ बड़े विद्यालयों में भी किया जाएगा। टीकाकरण पूर्णतः स्वैच्छिक है और अभिभावक की लिखित अथवा -WIN पोर्टल के माध्यम से डिजिटल सहमति के बाद टीका लगाया जाएगा। धर्मगुरुओं से भी अपील की गई कि वे समाज में एचपीवी टीकाकरण को लेकर सही एवं प्रमाणित जानकारी पहुंचाएं और भ्रांतियों को दूर करने में सहयोग करें। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से अभियान चलाते हुए निर्धारित लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजीव राज, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एच एन प्रसाद, आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

उचित दर विक्रेताओं का कमीशन बढ़ाकर 125 रुपए प्रति क्विंटल किए जाने पर जताया आभार

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उचित दर विक्रेताओं के कमीशन में बढ़ोतरी किए जाने पर ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश ने प्रदेश सरकार के प्रति आभार जताया है। एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष जयदेव सिंह यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं खाद्य एवं रसद मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सरकार के इस निर्णय से उचित दर विक्रेताओं को राहत मिलेगी।

जिलाध्यक्ष की ओर से मुख्यमंत्री को भेजे गए धन्यवाद ज्ञापन में कहा गया है कि प्रदेश के समस्त उचित दर विक्रेताओं के लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा उचित दर विक्रेताओं के कमीशन को ?90 से बढ़ाकर ?125 प्रति क्विंटल कर दिया गया है। कमीशन में ?35 प्रति क्विंटल की वृद्धि किए जाने को एसोसिएशन ने सराहनीय कदम बताया। ज्ञापन में कहा गया कि उचित दर विक्रेता सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से प्रदेश के गरीब, जरूरतमंद एवं पात्र लाभार्थियों तक खाद्यान्न पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कमीशन में बढ़ोतरी से विक्रेताओं को आर्थिक मजबूती मिलेगी और वे अपने दायित्वों का निर्वहन बेहतर ढंग से कर सकेंगे। एसोसिएशन ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व तथा खाद्य एवं रसद मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में उचित दर विक्रेताओं के हित में आगे भी सकारात्मक निर्णय लिए जाने की उम्मीद है। इस निर्णय के लिए जनपद के समस्त उचित दर विक्रेताओं की ओर से सरकार का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।इस पर प्रमुख रूप से सुशील शर्मा मीडिया प्रभारी, संतोष यादव, रामसिया चौबे, श्यामकरन दुवे, शिवपाल सिंह, बाबू रामशरण निगम सहित आदि लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए विभागों को दिए दिशा-निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आगामी 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता सुनिश्चित करने के लिए जनपद न्यायाधीश विरजेन्द्र कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में बेसिक शिक्षा विभाग, जिला विद्यालय निरीक्षक, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं राजकीय पॉलिटेक्निक के नोडल अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/अपर जिला जज राजीव सरन ने कहा कि उच्चतम न्यायालय एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 12 सितम्बर को जिला दीवानी न्यायालय उरई सहित वाह्य स्थित न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ ही प्री-लिटिगेशन स्तर के मामलों का अधिक से अधिक निस्तारण कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग, जिला विद्यालय निरीक्षक, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं राजकीय पॉलिटेक्निक के अधिकारियों को अपने-अपने विभागों के माध्यम से राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार-प्रसार कराने तथा अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण में सहयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए सभी विभागों के परिणामोन्मुखी एवं सार्थक प्रयास जरूरी हैं। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पण्डित, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास चौधरी, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की प्राचार्य मानसिंह भारती तथा राजकीय पॉलिटेक्निक के प्रतिनिधि प्रवक्ता ऋषिकांत त्रिपाठी उपस्थित रहे।

अपराध शाखा में एसपी का औचक निरीक्षण, लंबित विवेचनाओं के निस्तारण पर जोर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने अपराध शाखा का औचक निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में रखे विभिन्न अभिलेखों का अवलोकन किया और उनके रखरखाव तथा अद्यतन स्थिति की जानकारी ली।

एसपी ने लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए प्रभावी कार्रवाई करते हुए इसमें तेजी लाने को कहा। उन्होंने कहा कि अपराध से संबंधित अभिलेखों को व्यवस्थित और अद्यावधिक रखा जाए, ताकि आवश्यक सूचनाएं समय पर उपलब्ध हो सकें। अपराध नियंत्रण को लेकर भी उन्होंने पुलिसकर्मियों को सतर्कता बरतने और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।औचक निरीक्षण के दौरान एसपी ने पुलिस कार्यप्रणाली में अभिलेखों के बेहतर रखरखाव, लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।एसपी की अपराध शाखा पर नजर, लंबित मामलों और वांछितों की गिरफ्तारी में तेजी के दिये निर्देश।

उरई में 20 लाख की बड़ी चोरी से मचा हड़कंप, चोरों ने घर को बनाया निशाना

कुइयां रोड इंद्रानगर में वारदात, पुलिस ने शुरू की जांच; सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शहर कोतवाली उरई क्षेत्र की गल्ला मंडी पुलिस चौकी के अंतर्गत कुइयां रोड स्थित इंद्रानगर में चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम देकर सनसनी फैला दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार चोर करीब 20 लाख रुपये के सामान और नकदी पर हाथ साफ कर ले गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने चोरी की घटना के संबंध में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि वारदात में शामिल चोरों की पहचान कर उनके बारे में सुराग जुटाया जा सके। साथ ही पुलिस आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। फिलहाल चोरी गए सामान और नकदी की वास्तविक कीमत का सत्यापन किया जा रहा है। पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही चोरी की पूरी स्थिति और नुकसान की सही जानकारी स्पष्ट हो सकेगी। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच भी दहशत का माहौल है।

स्वाइन फ्लू को लेकर मेडिकल कॉलेज उरई में अलर्ट, 30 बेड का वार्ड तैयार

(यंग भारत न्यूज)

उरई 3 सितंबर जिले में स्वाइन फ्लू को लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई में अलर्ट जारी किया गया है। संदिग्ध मरीजों के उपचार और जांच के लिए मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने बताया कि मरीजों के लिए 28 से 30 बेड का अलग वार्ड तैयार किया गया है।

डॉ. त्रिवेदी ने बताया कि स्वाइन फ्लू से ग्रसित होने के संदिग्ध मरीजों के सैंपल लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संदिग्ध मरीजों के नमूने जांच के लिए लिए जा रहे हैं, ताकि संक्रमण की स्थिति स्पष्ट होने पर समय से उपचार उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज में स्वाइन फ्लू के उपचार के लिए आवश्यक दवा और सिरप उपलब्ध हैं। जरूरत के अनुसार वैक्सीनेशन की व्यवस्था भी की गई है। चिकित्सकीय स्टाफ को संदिग्ध मरीजों की जांच और उपचार के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।प्रधानाचार्य ने बताया कि फिलहाल कुछ लोगों में सीजनल बुखार, सर्दी और जुकाम की शिकायत भी सामने आ रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सर्दी-जुकाम अथवा बुखार होने पर घबराएं नहीं, बल्कि चिकित्सक से परामर्श लें। उन्होंने कहा कि संक्रमण से बचाव के लिए लोग व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखें और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाते समय मास्क का इस्तेमाल करें। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को रूमाल अथवा कपड़े से ढककर रखें। इससे संक्रमण के प्रसार को रोकने में मदद मिल सकती है। डॉ. त्रिवेदी ने लोगों से अपील की कि लक्षण दिखाई देने पर स्वयं दवा लेने के बजाय चिकित्सकीय सलाह लें। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज प्रशासन स्थिति पर लगातार निगरानी रख रहा है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं तैयार रखी गई हैं। उन्होंने कहा कि मरीजों की जांच, उपचार और आवश्यकतानुसार भर्ती की व्यवस्था को लेकर मेडिकल कॉलेज की स्वास्थ्य टीम पूरी तरह सतर्क है।

- स्वाइन फ्लू के संदिग्ध मरीजों के सैंपल लेने की प्रक्रिया शुरू
- दवा और सिरप उपलब्ध, जरूरत के अनुसार वैक्सीनेशन की व्यवस्था
- सीजनल बुखार में सावधानी बरतने और मास्क लगाने की अपील

पति ने दी समाजसेवी महिला डॉक्टर शोभा गुप्ता को मुखाग्नि, सैकड़ों आंखें हुईं नम

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद की प्रसिद्ध महिला चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. शोभा गुप्ता (75 वर्ष) के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बीमारी से लंबे समय से जूझ रहीं डॉ. शोभा गुप्ता का उपचार के दौरान निधन हो गया।

उनके अंतिम संस्कार के दौरान भावुक कर देने वाला दृश्य सामने आया। जब उनके पति डॉ. सुमन गुप्ता (80 वर्ष) ने अपनी जीवनसंगिनी के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी तो वहां मौजूद सैकड़ों लोगों की आंखें नम हो गईं। पति-पत्नी के लंबे साथ के बाद अंतिम विदाई का यह दृश्य हर किसी को भावुक कर गया। डॉ. शोभा गुप्ता अपने पीछे पति डॉ. सुमन गुप्ता, पुत्री डॉ. प्रीति गुप्ता, दामाद संजीव गुप्ता, पुत्र सौरव गुप्ता सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। समाजसेवा और चिकित्सा के क्षेत्र में उनके योगदान को लोगों ने याद करते हुए कहा कि डॉ. शोभा गुप्ता का निधन परिवार के साथ-साथ समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है। अंतिम विदाई में बड़ी संख्या में परिजन, शुभचिंतक, चिकित्सक एवं सामाजिक लोग मौजूद रहे।

घूसखोर अधिकारी के जाते ही जिले में सख्ती से हो रही है खाद्य पदार्थों की जांच पड़ताल

- खाद्य विभाग का होटलों पर शिकंजा, चार प्रतिष्ठानों में किचेन की व्यवस्थाएं परखी
- कोंच, माधौगढ़ और जालौन में चला खाद्य सुरक्षा अभियान, संचालकों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश
- भोजन बनाने से लेकर भंडारण तक स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त रखने पर दिया गया जोर
- कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की हिदायत
- नियमों की अनदेखी करने वाले प्रतिष्ठानों पर लाइसेंस-पंजीकरण निलंबन की चेतावनी

(यंग भारत न्यूज)

उरई। होटल और रेस्टोरेंट में ग्राहकों को सुरक्षित, शुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा निरीक्षण अभियान लगातार चलाया जा रहा है। गुरुवार को विभागीय टीमों ने कोंच, माधौगढ़ और जालौन क्षेत्र में संचालित होटल, क्लब एवं भोजनालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान किचेन से लेकर खाद्य सामग्री के भंडारण तक की व्यवस्थाओं को लेकर प्रतिष्ठान संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, जालौन के सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय डॉ. सीआर प्रजापति ने बताया कि होटलों में संचालित किचेन एवं रेस्टोरेंट के निरीक्षण और अन्य आवश्यक कार्रवाई के लिए विभाग की ओर से टीमों का गठन किया गया है। इसी क्रम में 3 सितंबर को कोंच तहसील के पड़री कोंच स्थित आशीर्वाद क्लब, उरई रोड कोंच स्थित आशीर्वाद होटल, बस स्टैंड माधौगढ़ स्थित सिंह भोजनालय तथा बंगरा रोड जालौन स्थित रिच गैलेक्सी होटल एंड रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों के निर्माण और भोजन परोसने में इस्तेमाल होने वाले बर्तनों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों ने प्रतिष्ठान संचालकों को बर्तनों को स्वच्छ रखने के साथ ही फ्रीज और डीप फ्रीजर की नियमित रूप से सफाई कराने के निर्देश दिए। खाद्य सामग्री को सुरक्षित रखने के लिए भंडारण कक्ष में सामान को व्यवस्थित तरीके से रखने की हिदायत भी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि होटल और रेस्टोरेंट के किचेन में स्वच्छता का स्तर बेहतर होना चाहिए। खाद्य पदार्थों के संपर्क में आने वाली प्रत्येक वस्तु की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा किचेन में काम करने वाले कर्मचारियों को हेड गियर, एप्रन और ग्लव्स का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए। कर्मचारियों का समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए भी कहा गया। निरीक्षण के दौरान किचेन में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखने तथा जरूरत के अनुसार टाइल्स लगवाने के निर्देश दिए गए। किचेन की छतों की सफाई पर भी विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में अस्वस्थ कर्मचारी को भोजन तैयार करने के कार्य में नहीं लगाया जाना चाहिए।

बरसात में स्वच्छता को लेकर विशेष सतर्कता

डॉ. सीआर प्रजापति ने बताया कि वर्तमान में बरसात का मौसम चल रहा है। ऐसे में होटल और रेस्टोरेंट संचालकों को साफ-सफाई और हाइजीन को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। नमी और गंदगी के कारण खाद्य पदार्थों के दूषित होने की संभावना रहती है। इसलिए खाद्य सामग्री के रखरखाव, किचेन की सफाई और भोजन तैयार करने की प्रक्रिया में स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए। उन्होंने प्रतिष्ठान संचालकों को निर्देशित किया कि ग्राहकों को स्वच्छ वातावरण में तैयार किया गया शुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त भोजन ही उपलब्ध कराया जाए। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए।

लगातार जारी रहेगा निरीक्षण अभियान

सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय डॉ. सीआर प्रजापति ने बताया कि होटलों में संचालित किचेन एवं रेस्टोरेंट की जांच का अभियान आगे भी जारी रहेगा। खाद्य कारोबारकर्ताओं को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि निरीक्षण के दौरान यदि खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया गया तो संबंधित प्रतिष्ठान की अनुज्ञप्ति अथवा पंजीकरण निलंबित किया जा सकता है। इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित खाद्य कारोबारकर्ता की होगी।

विद्या निकेतन में सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर बच्चों ने वाहवाही बटोरी

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। गुरुवार को स्थानीय नगर के मोहल्ला सदर बाजार स्थित मोती चंद वर्मा विद्या निकेतन स्कूल में सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया तथा भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं तथा जन्माष्टमी की धार्मिक भावना को प्रस्तुत कर जमकर वाहवाही बटोरी।

विधालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी का रूप धारण कर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। नन्हे कलाकारों की आकर्षक वेशभूषा और मासूम अंदाज ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का मन मोह लिया। बच्चों ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक भजनों और गीतों पर उत्साह के साथ नृत्य किया। इस दौरान विद्यालय परिसर में भक्ति और उल्लास का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में अर्तिका शुक्ला, हनू, सादिया, पार्थीवन पांडे, अभिनव तिवारी, अभिराज आदि बच्चों ने विभिन्न धार्मिक भजनों एवं गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां दीं। बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। शिक्षकों ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रस्तुतियों की सराहना की। बच्चों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं बाल लीलाओं से परिचित कराने का प्रयास किया गया। विद्यालय स्टाफ ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में सांस्कृतिक एवं धार्मिक मूल्यों के साथ-साथ आत्मविश्वास और रचनात्मकता का विकास करते हैं।जय खत्री ,विद्यालय के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश के अलावा हरीश कुशवाहा, ऋतुराज वर्मा, सपना शुक्ला, सीमा धवन, सुषमा बिश्नोई, आकांक्षा, शिवानिका, सरला, ममता आदि विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

बिजली चोरी के खिलाफ अभियान में पकड़े 11 उपभोक्ताओं के विरुद्ध मुकदमा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। गुरुवार को बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए उप खंड अधिकारी धर्मेंद्र सिंह सचान के नेतृत्व में अभियान चलाकर स्थानीय नगर में बढ़ी ऊकार्यवाही की गयी ।विद्युत विभाग की टीम ने 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र कालपी क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया।भोर सुबह साढ़े 5 से किलाघाट-1 व किलाघाट-2 तथा टरननगंज फीडर के क्षेत्रो में अभियान चला कर 11 उपभोक्ताओं की विधुत चोरी के मामले पकड़े गये। गुरुवार को उपखंड अधिकारी धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में अवर अभियंता सत्यप्रकाश गौतम, नवीन कुमार संचान, अभिषेक धीर, ऋष्कू उज्वल, अखिलेश शुक्ला, मोहम्मद अरवाज, अनूप व सुनील कुमार समेत विद्युत कर्मियों की टीम ने घरों और प्रतिष्ठानों की जांच की। इस दौरान 11 उपभोक्ता अतिरिक्त केबल डालकर अवैध रूप से बिजली का प्रयोग करते पाए गए। विभागीय टीम ने मौके पर चेकिंग रिपोर्ट तैयार कर सभी के खिलाफ विद्युत अधिनियम की धारा 135ए के तहत एंटी थेफ्ट थाना उरई में प्राथमिकी दर्ज कराई है। अधिकारियों ने बताया कि बिजली चोरी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

विधिक जागरूकता शिविर में मध्यस्थता व लोक अदालत के प्रति किया जागरूक

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालौन द्वारा तहसीलदार श्रीष कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में विधिक सेवा कार्यक्रमों के तहत जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस मौके पर शासन की योजनाओं तथा कानून की जानकारियां देते हुए जागरूक किया गया।

गुरुवार को तहसील कालपी के सभागार में दोपहर दो बजे आयोजित शिविर में तहसीलदार श्रीष कुमार मिश्रा ने मध्यस्थता एव की विधिक सहायता के संबंध में जागरूकता किया। शिविर में महिलाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता (सैनिटरी नैपकिन), महिला सशक्तीकरण, महिलाओं का संरक्षण अधिनियम तथा साइबर क्राइम से बचाव और लैंगिक समानता के प्रचार-प्रसार को लेकर जागरूक किया गया ।इस मौके पर नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला मुकेश कुमार प्रिंस सिंह राजपूत राजस्व निरीक्षक हरेंद्र सिंह सेंगर, प्रमोद दुवे, पीएलवी अरविन्द कुमार पाण्डेय, कमलेश कुमार के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी शामिल रहे।

कुठौंद थाना परिसर में जन्माष्टमी को लेकर पीस कमेटी की बैठक हुई संपन्न

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद जालौन। कुठौंद थाना परिसर में थाना प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार पांडे की अध्यक्षता मेंआगामी जन्माष्टमी को लेकर पीस कमेटी का आयोजन किया गया जिसमें मौलाना, धर्मगुरु,पुजारी, प्रधान एवं पत्रकार आदि मौजूद रहे थाना प्रभारी ?निरीक्षक ने उपस्थित सभी भाइयों को संबोधित करते हुए बताया कि आगामी त्योहार शांतिपूर्वक मनाएं किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न फैलाएं जिससे शांति भंग न हो सके ।ऐसा करने वालों पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी थाना कुठौंद प्रभारी निरीक्षक ने आगामी जन्माष्टमी के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई ।इस अवसर पर उपस्थित थाना प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार पांडे वरिष्ठ उप निरीक्षक शीलवन्त सिंह, एस आई कन्हई सिंह, हदरूख पुलिस चौकी प्रभारी मुकेश गौतम,एस आई तिरमल सिंह,एस आई शिव भूषण प्रजापति, एस आई सत्य पाल सिंह, एस आई ओमप्रकाश सिंह, एस आई सर्वेश सिंह तथा प्रधान /प्रशासक गण नरेन्द्र महांत कुठौंद, भोला शुक्ला समाजसेव,जीतू गुर्जर नैनापुर, मनीष शुक्ला प्रधान प्रतिनिधि शंकरपुर, नरेन्द्र तिवारी कैथवा, वीरपाल दोहरे प्रधान प्रतिनिधि बसतेपुर, प्रधान प्रतिनिधि गंभीर सिंह कुशवाहा दोन, सहित कई प्रधान मौजूद रहे एवं धर्मगुरु पुजारी व व्यापारी गण तथा मौलाना एवं पत्रकार गण आदि उपस्थित रहे।

रामपुरा क्षेत्र में हो रहा है भारी भरकम जुआ, लाखो के वारे न्यारे होते है रोज

- पुलिस मगर खामोश

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)। जालौन जिले के माधौगढ़ क्षेत्र से सटे रामपुरा थाना इलाके में इन दिनों बड़े पैमाने पर अवैध जुए का कारोबार फल-फूल रहा है। सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी के अनुसार, रामपुरा क्षेत्र के प्रधानों के द्वारा सिद्धपुरा-निनौली रोड पर एक बेहद सुनसान और सुरक्षित ठिकाने को जुए के बड़े अड्डे में तब्दील कर दिया गया है। इस अड्डे पर रोजाना लाखों रुपये की हार-जीत का खेल चल रहा है, जिसने स्थानीय प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दूर-दूर से पहुंच रहे हैं सटोरिये, लग रहा लाखों का दांव

विश्वसनीय सूत्रों का कहना है कि इस जुआ अड्डे की गूंज केवल स्थानीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों और दूर-दराज के क्षेत्रों तक फैल चुकी है। हर दिन लग्जरी गाड़ियों और बाइकों से मोटी रकम लेकर नामी-गिरामी सटोरिये और जुआरी यहाँ पहुँच रहे हैं। पलक झपकते ही लाखों रुपये दांव पर लगा दिए जाते हैं। दिन ढलते ही इस सुनसान रास्ते पर संदिग्ध लोगों और वाहनों की आवाजाही अचानक बढ़ जाती है, जिससे आसपास के ग्रामीणों में भी भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

आखिर किसकी शह पर चल रहा है यह काला कारोबार?

क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है कि आखिर इतनी बड़ी गैर-कानूनी गतिविधि किसकी शह पर बेखौफ होकर संचालित की जा रही है? सिद्धपुरा-निनौली रोड पर खुलेआम चल रहे इस अड्डे को लेकर जनता के बीच कई तरह की चर्चाएं हैं। लोगों का सीधा सवाल है कि क्या इस पूरे खेल को किसी रसूखदार या सफेदपोश का संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते जुआ माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें कानून का जरा भी खौफ नहीं है।

पुलिस की निगाहें इस ओर क्यों नहीं?

सबसे बड़ा और गंभीर सवाल स्थानीय पुलिस प्रशासन की भूमिका पर उठ रहा है। जिस रोड पर यह अवैध धंधा चल रहा है, वहां से पुलिस की गाड़ियां अक्सर गुजरती हैं, फिर भी पुलिस की निगाहें इस ओर क्यों नहीं जा रही हैं? क्या पुलिस इस पूरे मामले से वाकई अनजान है, या फिर जानबूझकर आंखें मूंदे बैठी है?

> ग्रामीणों की मांग: स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जुए के इस अड्डे के कारण क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है और आपराधिक प्रवृत्तियों को बढ़ावा मिल रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और पुलिस के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि इस मामले का तुरंत संज्ञान लिया जाए और सिद्धपुरा-निनौली रोड पर चल रहे इस काले कारोबार पर छापेमारी कर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

>

माधौगढ़ में पेट्रोल पंप संचालक बेखौफ होकर उड़ा रहे शासनादेश की धज्जियां, बोतलों में बेचा जा रहा पेट्रोल

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन) नगर में स्थित पेट्रोल पंपों पर शासन और प्रशासन के सख्त निर्देशों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। सुरक्षा मानकों को दरकिनार कर पेट्रोल पंप संचालक बोतल और खुले केन में बेझिझक पेट्रोल बेच रहे हैं। इसके साथ ही बिना हेलमेट आए वाहन चालकों को भी धड़ल्ले से ईंधन दिया जा रहा है। अधिकारियों के कड़े आदेशों के बावजूद पंप चालकों की यह मनमानी किसी भी दिन बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा व शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से स्पष्ट निर्देश जारी किए थे। आदेश के अनुसार, किसी भी पेट्रोल पंप पर खुले में अथवा प्लास्टिक की बोतल में पेट्रोल बेचना पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'नो हेलमेट, नो पेट्रोल' का नियम लागू किया गया था, ताकि दोपहिया वाहन चालक अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें। हालांकि, माधौगढ़ नगर के पेट्रोल पंपों पर स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत नजर आ रही है। चंद पैसों के फायदे के लिए पंप कर्मचारी नियमों की धज्जियां उड़ाने में जुटे हैं। बोतलों और प्लास्टिक के डिब्बों में भरा ज्वलनशील पेट्रोल हादसों को सीधा न्योता दे रहा है। ऐसे में किसी असामाजिक तत्व द्वारा इस तेल का गलत इस्तेमाल करने या अचानक आग लगने से बड़ी अनहोनी होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय नागरिकों में इस लापरवाही को लेकर भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि प्रशासन के आदेश केवल कागजों तक सीमित होकर रह गए हैं और धरातल पर इनकी कोई जांच नहीं हो रही है। क्षेत्रवासियों ने जिलाधिकारी और संबंधित विभागीय अधिकारियों से मांग की है कि माधौगढ़ के पेट्रोल पंपों की त्वरित जांच की जाए और नियम तोड़ने वाले संचालकों के खिलाफ सख्त कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई की जाए, ताकि किसी संभावित दुर्घटना को समय रहते रोका जा सके।

लगातार बारिश से कालपी तहसील में गिरे 47 प्रभावितों को मिली सरकारी मदद

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। पिछले करीब 20 दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते कालपी तहसील क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर कच्चे व जर्जर मकानों के गिरने का सिलसिला जारी है। अब तक तहसील क्षेत्र में 60 घर गिरने की जानकारी सामने आई है। इनमें से 47 प्रभावित गृहस्वामियों को शासकीय सहायता उपलब्ध कराई जा चुकी है, जबकि 13 मामलों में कार्रवाई जारी है।

उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने बताया कि बारिश के कारण जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त या धराशायी हुए हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सरकारी सहायता दिलाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए तहसीलदार श्रीष कुमार मिश्रा, नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला, मुकेश कुमार व प्रिंस सिंह राजपूत समेत लेखपालों एवं राजस्व कर्मचारियों को लगाया गया है। तहसीलदार श्रीष कुमार मिश्रा ने बताया कि 47 मकान गिरने से प्रभावित परिवारों की सहायता संबंधी कार्रवाई पूरी कर उन्हें शासकीय मदद दिलाई जा चुकी है। शेष 13 प्रभावितों को सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। एसडीएम ने तहसीलदार, नायब तहसीलदारों, राजस्व निरीक्षकों, लेखपालों व राजस्व कर्मचारियों की बैठक में निर्देश दिए कि बारिश से मकान गिरने की सूचना मिलने पर संबंधित क्षेत्र में तत्काल पहुंचकर स्थलीय जांच की जाए और पात्र प्रभावित परिवारों को शासन की ओर से अनुमन्य सहायता दिलाने की कार्रवाई में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

माधौगढ़ में साप्ताहिक बंदी का उल्लंघन: दुकानदारों ने की संपूर्ण बंदी और प्रशासनिक कार्रवाई की मांग

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन): नगर पंचायत माधौगढ़ में साप्ताहिक बंदी के नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। निर्धारित दिन होने के बावजूद नगर में धड़ल्ले से दुकानें खोली जा रही हैं। स्थानीय दुकानदारों और व्यापारियों का आरोप है कि इस गंभीर मुद्दे को लेकर कई बार जिम्मेदार अधिकारियों के समक्ष गुहार लगाई गई, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस सुनवाई नहीं हुई है।

व्यापारियों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि जालौन जनपद के अन्य प्रमुख कस्बों और तहसीलों—जैसे उरई, जालौन शहर, कोंच और कालपी—में साप्ताहिक बंदी का पूरी तरह से पालन किया जाता है। वहां तय दिन पर सभी बाजार पूरी तरह बंद रहते हैं। इसके विपरीत, माधौगढ़ नगर में कुछ दुकानदारों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें न तो नियमों की परवाह है और न ही स्थानीय प्रशासन या कार्रवाई का कोई डर है। वर्तमान स्थिति यह है कि साप्ताहिक बंदी के दिन भी नगर की केवल 40 प्रतिशत दुकानें ही बंद रहती हैं, जबकि लगभग 60 प्रतिशत दुकानें बेझिझक खुली रहती हैं। इस वजह से नियम का पालन करने वाले और अपनी दुकानें बंद रखने वाले ईमानदार व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस अव्यवस्था से तंग आकर नगर के सजग दुकानदारों ने एकजुट होकर शासन और प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि गुरुवार के दिन माधौगढ़ में संपूर्ण बंदी लागू की जाए। व्यापारियों ने अधिकारियों से अनुरोध किया है कि गुरुवार को बाजार का औचक निरीक्षण किया जाए और नियमों का उल्लंघन कर दुकानें खोलने वाले दुकानदारों पर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इस मौके पर अपनी मांग बुलंद करने के लिए सोहेल खान, सुमित राजा, राजा खान, संतोष कुमार, छन्नू, और मुन्ना सहित नगर के कई प्रमुख दुकानदार और व्यापारिक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

माधौगढ़ क्षेत्र में आ गई है अवैध नर्सिंग होमो की बाढ़

-रजिस्ट्रेशन और बाकी औपचारिकतायें पूरी किये बिना नर्सिंग होमो में हो रही मरीजो की लुटाई

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़(जालौन)जनपद के माधौगढ़ क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के नाम पर एक बड़ा और खतरनाक खेल चल रहा है। क्षेत्र के विभिन्न इलाकों और कस्बों में बिना किसी वैध रजिस्ट्रेशन और मानकों के कई नर्सिंग होम और प्राइवेट अस्पताल धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं। हैरत की बात यह है कि इस गंभीर मामले पर स्थानीय स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन पूरी तरह से मौन साधे हुए है, जिससे क्षेत्र की जनता में भारी आक्रोश और भय का माहौल है।

बिना मानकों के चल रहा है इलाज का धंधा

इन अवैध अस्पतालों में न तो प्रशिक्षित डॉक्टर हैं और न ही आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक जीवन रक्षक उपकरण। डिग्री विहीन और अप्रशिक्षित स्टाफ (झोलाछाप) के भरोसे मरीजों की जिंदगी से सरेआम खिलवाड़ किया जा रहा है। फायर सेफ्टी (अग्निशमन व्यवस्था), बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट और प्रदूषण नियंत्रण जैसे अनिवार्य नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। इन फर्जी नर्सिंग होमों की वजह से माधौगढ़ क्षेत्र में कभी भी कोई बड़ा और दर्दनाक हादसा हो सकता है।

बिना रजिस्ट्रेशन और अधूरी व्यवस्थाओं के चल रहे इन सेंटरों में पहले भी कई बार प्रसूताओं और मरीजों की जान जोखिम में पड़ चुकी है। स्थानीय नागरिकों का सवाल है कि आखिर किसकी शह पर ये मौत की दुकानें बेखौफ होकर चलाई जा रही हैं? क्या प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी या किसी मासूम की मौत के बाद ही जागेगा? क्षेत्रीय जनता ने उत्तर प्रदेश सरकार, स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों और जिला प्रशासन (डीएम व सीएमओ जालौन) से पुरजोर मांग की है कि इस मामले को तत्काल संज्ञान में लिया जाए। माधौगढ़ क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाकर इन सभी अवैध और बिना रजिस्ट्रेशन वाले नर्सिंग होमों को शीघ्र सील किया जाए और इनके संचालकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता की जिंदगी को सुरक्षित किया जा सके।

माधौगढ का चार सालों से दलदल में तब्दील सिहारी रोड, जिम्मेदार बने बेखबर

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ(जालौन) जिले के माधौगढ़ क्षेत्र में स्थित सिहारी रोड बीते 4 सालों से बदहाली का शिकार है। बारिश का मौसम आते ही यह सड़क पूरी तरह जलमग्न होकर गड्ढों और दलदल में तब्दील हो जाती है। बुंदेलखंड स्कूल के पास की यह स्थिति स्थानीय निवासियों और स्कूली बच्चों के लिए बड़ी आफत बनी हुई है। इस मुख्य मार्ग पर सुबोध एजेंसी और विद्युत विभाग का 33 केवी सब-स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण संस्थान मौजूद हैं। इसके बावजूद प्रतिदिन सैकड़ों लोग और वाहन चालक मजबूरी में इन पानी भरे गड्ढों से होकर गुजरते हैं। अक्सर असंतुलित होकर बाइक सवार इन गड्ढों में गिर जाते हैं, जिससे न केवल गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो रही हैं, बल्कि लोग चोटिल भी हो रहे हैं। पानी और कीचड़ से भरे रास्ते के कारण बच्चों को स्कूल जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। मोहल्ले वासियों का कहना है कि रात के समय जब वे काम से लौटते हैं, तो जलभराव के बीच से गुजरते वक्त जहरीले कीड़ों-मकोड़ों के काटने का डर लगातार बना रहता है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि सरकार और प्रशासन द्वारा अन्य सभी मुख्य सड़कों का निर्माण तो करा दिया गया है, लेकिन सिहारी रोड पर न तो किसी जन-प्रतिनिधि की नजर पड़ रही है और न ही संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों की। > स्थानीय निवासियों की मांग है कि प्रशासन जल्द से जल्द इस समस्या का संज्ञान ले और सिहारी रोड का पक्का निर्माण कराए, ताकि आम जनता को इस 4 साल पुराने 'दर्द' से राहत

नीमा संघ का निर्विरोध चुनाव सम्पन्न

डॉ उदैनिया अध्यक्ष,डॉ अभिषेक मंत्री बने,कोष की जिम्मेवारी प्रदीप को सौपी गयी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर में प्राइवेट चिकित्सकों की प्रमुख संस्था नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन नीमा की एक अति महत्वपूर्ण बैठक बुधवार रात सागर चौकी स्थित नीमा भवन में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता नगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुशील तिवारी ने की। इस दौरान संस्था की नवीन कार्यकारिणी के गठन को लेकर विस्तार से चर्चा हुई और घोषित पदाधिकारियों के नामों पर उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से मुहर लगा दी।

बैठक में सर्वसम्मति से डॉ. दिनेश उदैनिया को नीमा संघ कोंच का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। वहीं डॉ. केशव निरंजन को उपाध्यक्ष, डॉ. अभिषेक निरंजन को महासचिव, प्रदीप अग्रवाल को कोषाध्यक्ष तथा डॉ. विवेक सिंह राठौर को सहसचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। नई जिम्मेदारियां मिलने के बाद उपस्थित चिकित्सकों ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और संगठन को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने की अपेक्षा जताई।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कार्यकारिणी के शेष पदों के साथ ही कोर कमेटी का गठन अगली बैठक में किया जाएगा। इन पदों पर सभी सदस्यों की सहमति से नाम तय किए जाएंगे। चिकित्सकों ने कहा कि मजबूत संगठनात्मक ढांचे के जरिए चिकित्सकों को एकजुट करने और उनके हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में मदद मिलेगी।नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. दिनेश उदैनिया ने कहा कि नई कार्यकारिणी का प्रमुख उद्देश्य क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं को बेहतर बनाना, चिकित्सकों के हितों की रक्षा करना तथा चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर आपसी समन्वय के साथ काम करना है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद एवं आधुनिक चिकित्सा पद्धति के बीच बेहतर समन्वय और एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए भी नीमा सक्रिय भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि संस्था चिकित्सकों की समस्याओं को उचित मंच पर उठाने के साथ-साथ समाजहित में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करेगी। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों और चिकित्सकों के हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर डॉ.आलोक निरंजन, डॉ. दिलीप अग्रवाल, डॉ. प्रदीप अग्रवाल, डॉ. अजय तिवारी, डॉ. अखिलेश निरंजन, डॉ. केशव निरंजन, डॉ. जितेंद्र,डॉ आनंद शर्मा,डॉ प्रदीप, डॉ. विकास राठौर,डॉ आनंद गुप्ता सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक मौजूद रहे।

बाल गणेश सेवा समिति का चुनाव सम्पन्न कान्हा अध्यक्ष लाभ मंत्री बने

कोषाध्यक्ष की कमान अंबर को सौपी गयी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के मुहल्ला जयप्रकाश नगर पोद्दार भवन पर विराजमान 30 वें बाल गणेश महोत्सव सेवा समिति का निर्विरोध चुनाव संपन्न हुआ।पोद्दार भवन पर आयोजित बैठक में आगामी गणेश महोत्सव के संचालन, व्यवस्थाओं और तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान बाल गणेश महोत्सव के संचालन के लिए अध्यक्ष, मंत्री सहित अन्य पदो पर आम सहमति से पदाधिकारियो का चयन किया गया।सर्वसम्मत से बाल गणेश सेवा समिति का कान्हा सोनी को अध्यक्ष चुना गया।वही मंत्री पद की कमान लाभ सोनी को सौपी गयी।बैठक में कोषाध्यक्ष पद की महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी अम्बर सोनी के मजबूत कंधो पर डाली गयी।वही उपाध्यक्ष पद पर अंश सोनी व उपमंत्री पद पर अग्रिम को चुना गया।नवमनोनीत समिति का बैठक में उपस्थित सभी ने ताली बजाकर स्वागत किया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के चयन के साथ ही इस वर्ष होने वाले बाल गणेश महोत्सव की तैयारियों को गति मिलने की उम्मीद जताई गई।नव मनोनीत अध्यक्ष कान्हा सोनी ने कहा कि सभी के सहयोग 30 वां गणेश महोत्सव पूरे विधि-विधान एवं उल्लास के साथ मिलकर मनाया जाएगा।उन्होने कहा सभी लोग सहयोग कर गणेशोत्सव में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाए।वही समिति के मंत्री लाभ सोनी ने उपस्थित सभी का आभार प्रकट कर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।इस मौके पर दर्श सोनी,शिवाय सोनी,देवांश सोनी आदि मौजूद थे।

कमला नेहरू बालिका विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया जन्माष्टमी महोत्सव

छात्राओ ने मटकी फोड कृष्ण लीला का किया वर्णन

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के कमला नेहरू बालिका विद्यालय में गुरुवार को जन्माष्टमी महोत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।तथा उनकी लीलाओ का वर्णन किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता अपनी पत्नी मोंटी गुप्ता के साथ मौजूद रहे। विद्यालय पहुंचने पर विद्यालय प्रबंधन एवं स्टाफ द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। इसके बाद छात्राओं ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और जन्माष्टमी पर्व से जुड़े विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। छात्राओं की प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों, शिक्षिकाओं और अन्य विद्यार्थियों का मन मोह लिया।जन्माष्टमी महोत्सव के दौरान विद्यालय परिसर में मटकी फोड़ कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। छात्राओं ने उत्साह के साथ मटकी फोड़कर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप और उनकी लीलाओं को जीवंत किया। इस दौरान विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा और छात्राओं ने तालियों के साथ प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने छात्राओं की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. प्रतिमा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जन्माष्टमी जैसे पर्व बच्चों में भारतीय संस्कृति, संस्कार और धार्मिक परंपराओं के प्रति जागरूकता पैदा करते हैं। विद्यालय में समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि छात्राओं की प्रतिभा को मंच मिल सके।इस अवसर पर अध्यापिका राखी गुप्ता, उर्वशी, अनामिका, गुड़िया, नीलू यादव, सुमनलता, कमलेश बाबू जी सहित समस्त विद्यालय परिवार मौजूद रहा।

तिपहिया वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन युवक घायल

-एक की हालत गंभीर जिला अस्पताल रेफर

(यंग भारत न्यूज)

कोंच बुधवार की देर रात सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए।तहसील क्षेत्र के ग्राम असुपुरा और सलैया खुर्द के बीच खत्री बाबा के पास एक तिपहिया वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर छिटककर गिर गए तथा घायल हो गए। हादसे में एक युवक को गंभीर चोटें आई हैं।जिसकी हालत गंभीर बताई गई है।

जानकारी के अनुसार ग्राम सलैया खुर्द निवासी प्रसंग पुत्र छत्रसाल उम्र 20 वर्ष, रंजीत पुत्र अज्जू राजा उम्र 30 वर्ष और अनिकेत पुत्र इंद्रपाल उम्र 20 वर्ष अपनी मोटरसाइकिल से ग्राम असुपुरा आए थे। बुधवार की रात तीनों युवक बाइक से असुपुरा से अपने गांव सलैया खुर्द वापस लौट रहे थे। इसी दौरान असुपुरा और सलैया खुर्द के बीच खत्री बाबा के पास सामने से आए तिपहिया वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर लगते ही बाइक अनियंत्रित हो गई और तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े। दुर्घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे। राहगीरों और परिजनों की मदद से तीनों घायलों को कोंच के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया गया। हादसे में अनिकेत को गंभीर चोटें आने से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया।वही पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नशे की हालत में बेहोश मिला व्यक्ति, पुलिस ने अस्पताल में कराया भर्ती

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के चंदकुआ चौराहे पर बुधवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया जब एक व्यक्ति घायल अवस्था में सड़क किनारे बेहोश पड़ा मिला। व्यक्ति को काफी देर तक उसी हालत में पड़ा देख राहगीरों ने मामले की सूचना तत्काल पुलिस को दी।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति की स्थिति का जायजा लिया। उसके सिर में गहरी चोट लगी थी और वह बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एंबुलेंस की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया।जानकारी के अनुसार घायल की पहचान बाल स्वरूप पुत्र धनीराम निवासी गोखले नगर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बाल स्वरूप ने अत्यधिक शराब का सेवन कर रखा था। नशे की हालत में वह चंदकुआ क्षेत्र में सड़क किनारे गिर पड़े, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट लग गई। नशे में होने के कारण वह करीब एक घंटे तक सड़क किनारे बेहोशी की हालत में पड़े रहे और उन्हें घटना की जानकारी भी नहीं हो सकी।राहगीरों ने जब व्यक्ति को काफी देर तक सड़क किनारे पड़ा देखा तो उन्होंने मानवता का परिचय देते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बिना देर किए मौके पर पहुंचकर घायल को अस्पताल भिजवाया।समय रहते घायल को अस्पताल पहुंचाए जाने से उसका उपचार शुरू हो सका। फिलहाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच में चिकित्सकों द्वारा बाल स्वरूप का उपचार किया जा गया। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई और घायल के परिजनों को सूचना दी।

आपदा में अपनो को खोने बाले परिजनो को दी गयी सरकारी इमदाद

विधायक ने एसडीएम तहसीलदार की उपस्थित में दिए चैक

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र में हादसों में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को गुरुवार को प्रशासन की ओर से आपदा राहत राशि के चेक वितरित किए गए। नगर स्थित सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में विधायक मूलचंद्र निरंजन,भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, उपजिलाधिकारी अभिनव कुमार और तहसीलदार मनोज कुमार की उपस्थित में पीड़ित परिवारों को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि के चेक सौंपे गए।जानकारी के अनुसार तहसील क्षेत्र के ग्राम करियावली निवासी फूल सिंह पुत्र नन्नाई, उम्र करीब 55 वर्ष और उनके सगे भाई रामलखन, उम्र करीब 60 वर्ष, खेत पर बने कुएं पर काम कर रहे थे। इसी दौरान दोनों भाई कुएं में गिर गए और डूबने से उनकी मौत हो गई थी। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया था। प्रशासन की ओर से फूल सिंह के पुत्र चंद्रशेखर तथा रामलखन के पुत्र जबर सिंह और धर्मेंद्र को नियमानुसार आपदा राहत राशि प्रदान की गई।वहीं दूसरी घटना तहसील क्षेत्र के ग्राम सलैया की है। यहां 28 अगस्त को 28 वर्षीय हरिशंकर कौरव पुत्र स्वर्गीय प्रह्लाद नहर में नहाने गए थे। नहाते समय वह गहरे पानी में चले गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। प्रशासन की ओर से मृतक की मां सुशीला देवी को चार लाख रुपये की आपदा राहत राशि का चेक प्रदान किया गया।इस दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि आपदा की स्थिति में सरकार की ओर से निर्धारित प्रावधानों के तहत प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि उन्हें कठिन समय में कुछ राहत मिल सके।कार्यक्रम में लेखपाल सदर दिग्विजय सिंह, उदय यादव, दिलीप पटेल, योगेंद्र कुमार सहित सभासद अनिल वर्मा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

दो पक्षों में जम कर चले लाठी डंडे

दोनों पक्षों के छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । रंजिश को लेकर पहलवानबाड़ा मोहल्ले में सभासद समेत दो पक्षों के बीच हुए विवाद के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नगर के मोहल्ला पहलवानबाड़ा निवासी राधा देवी ने पुलिस को बताया कि वह अपने घर के दरवाजे पर बैठी थी। तभी वहां मोहल्ले के ही मलखान यादव, शिवम व सुलखान यादव आए और गाली, गलौज करने लगे। मना करने पर उन्होंने लाठी, डंडों से मारपीट शुरू कर दी। जिसमें उन्हें व परिजनों को चोटें आई हैं। वहीं, दूसरे पक्ष से सुलखान यादव ने पुलिस को बताया कि वह बुधवार की रात करीब 10 बजे अपने घर के बाहर बैठे थे, तभी मोहल्ले के ही सभासद नरसिंह यादव, विशाल यादव, महेश यादव वहां आ गए और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों व लोहे की रॉड से हमला कर दिया। मारपीट में उन्हें व उनके साथी को चोटें आई हैं। मारपीट के बाद दोनों पक्षों ने जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया। वहीं, पुलिस ने घायलों का चिकित्सकीय परीक्षण कराकर दोनों पक्ष के छह आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सबावि मंदिर में हर्षोल्लास से मनाया गया जन्माष्टमी पर्व

नन्हे मुन्हे बच्चो ने सुन्दर झांकियां प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया

(यंग भारत न्यूज)

कोंच गल्ला मंडी स्थित सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कालेज, सरस्वती शिशु मंदिर, शिशु वाटिका में गुरुवार को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, उल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य पंकज बाजपेई के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के पूजन एवं वंदना के साथ हुआ।कार्यक्रम का संचालन शिशु भारती प्रमुख रंजना तिवारी, सुनील पाठक आचार्य ने संयुक्त रूप से किया।कार्यक्रम में भैया-बहिनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यालय के प्रभारी नरेंद्र सिंह ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म एवं उनके जीवन से जुड़े प्रेरणादायी प्रसंगों पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया। विद्यालय की छात्राओ ने लघु नाटिका के द्वारा भगवान श्री कृष्ण की जीवन झांकी को मधुर गीत द्वारा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अर्चना वर्मा ने अपने संबोधन में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके कर्मयोग के आदर्शों को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने सभी भैया-बहिनों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएँ देते हुए सत्य, धर्म, कर्तव्य एवं सदाचार के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।सभी ने भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को आत्मसात कर अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नरेंद्र सिंह,पंकज बाजपेई, नीतू गर्ग, सरोज खरे, सरला मिश्रा,शैलेन्द्र सिंह, विवेक तिवारी, प्रभा गुप्ता, शिवानी सिंह, ज्योति गुप्ता, रंजना तिवारी, प्रतीक्षा रेजा, अनिकेत, जीतेन्द्र सिंह,मनीष अग्रवाल, गौतम पटेल,वंदना अवस्थी, रवि कुमार,विनीत खरे, मृदुल दुबे,सतीश पाण्डेय,धीरेन्द्र सिंह, मनोज दुबे, अशोक शर्मा, रामकुमार, अरविन्द , अंजना,आकांक्षा,सरिता, साधना, योगेश, अंकित पटेल,चंदा कुशवाहा, दीक्षा, आदित्य कुमार,शुभम अग्रवाल, रुक्मिणी सहित विद्यालय के छात्र छात्राए उपस्थित रही।

सोनमेज को हराकर दूसरे राउंड में कोको

न्यूयॉर्क

कोको गॉफ ने यूएस ओपन के दूसरे राउंड में जगह बना ली है। गॉफ ने जेनेप सोनमेज को 6-3, 6-4 से हराकर यूएस ओपन के दूसरे दौर में जगह बनाई। गॉफ ने अपने पहले सर्विस गेम में दो ऐस और एक सर्विस विनर पोस्ट किया, अपने अगले दो सर्विस गेम में सर्व पर हावी रहीं, सोनमेज को 4-2 की बढ़त के लिए ब्रेक किया और 32 मिनट में शुरुआती सेट का दावा करने के लिए मजबूत पकड़ बनाए रखी।

मोनफिल्स ने जीत के साथ मनाया 40वां जन्मदिन

गेल मोनफिल्स ने लुइस आर्मस्ट्रॉन्ग स्टेडियम में खचाखच भरी भीड़ के सामने दैनियल को 2-6, 6-1, 6-2, 6-2 से हराकर यूएस ओपन के अपने पहले मैच में जीत दर्ज की। ओवर ऑल यूएस ओपन में उनकी यह 34वीं जीत थी। इस जीत के साथ उनका 40वां जन्मदिन यादगार बन गया। यूएस ओपन के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 50 सालों में यूएस ओपन में मैच जीतने वाले 40 या उससे ज्यादा उम्र के मोनफिल्स तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं।

मीरा की शानदार शुरुआत

नंबर 5 सीड मीरा एंड्रीवा ने फ्लशिंग मीडोज में अपने कैंपेन की शानदार शुरुआत की। उन्होंने दुनिया की नंबर 36 जैस्मिन रोजेस को 6-2 से हराया। 6-2 से हराकर, लगातार चौथे साल दूसरे राउंड में पहुंच गईं। एंड्रीवा अब दुनिया की 98 नंबर की खिलाड़ी ईवा लिस से खेलेंगी।

मैरी पर जीत हासिल कर आगे बढ़ी ईला

एलेक्जेंड्रा ईला ने यूएस ओपन की शुरुआत जीत के साथ की है। ईला ने अपने पहले मैच में अमेरिकी क्वालीफायर मैरी स्टोयाना पर जीत हासिल कर दूसरे राउंड में जगह बनाई। नंबर 17 सीड ईला ने दो ब्रेक पॉइंट बचाते हुए, एक खराब पहला सर्विस गेम खेला। फिर साफ हो गया था कि ईला को मैच में अपनी पकड़ बनाने के लिए बस इन्हीं ब्रेक पॉइंट्स की जरूरत थी, और उसने पहला सेट 6-1 से जीतने से पहले 5-0 की बढ़त बना ली, जिसमें उसने अपने 84 प्रतिशत फर्स्ट-सर्विस पॉइंट्स जीते। स्टोयाना ने दूसरे सेट में ईला के पहले सर्विस गेम में दो ब्रेकपॉइंट भी बचाए।

ज्वेरेव ने टाला बड़ा उलटफेर

टॉप सीडेड अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आर्थर ऐश स्टेडियम में यूएस ओपन के पहले राउंड में बिना सीड वाले इटालियन लोरेंजो सोनेगो को 6-4, 3-6, 6-7(7), 7-5, 6-4 से शिकस्त दी। जीत के साथ ज्वेरेव ने अगले दौर में जगह बना ली है। अलेक्जेंडर ज्वेरेव चौथे सेट में 4-5 से हार से दो पॉइंट दूर थे, फिर भी उन्होंने बाद में नियंत्रण हासिल किया और 4 घंटे, 53 मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की। ज्वेरेव का दूसरे राउंड में फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस के साथ मुकाबला होगा।

खबर संक्षेप

लंदन स्क्वाश क्लासिक दूसरे दौर में अनाहत

लंदन। मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन अनाहत सिंह ने मिस्र की मरियम मेटवाली को सीधे गेम में हराकर 144,000 अमेरिकी डॉलर इनामी लंदन स्क्वाश क्लासिक के दूसरे दौर में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज भारतीय खिलाड़ी ने पीएसए गोल्ड प्रतियोगिता के अपने पहले मैच में 11-3, 11-2 से जीत हासिल की। इस साल जुलाई में जूनियर विश्व खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनी 18 वर्षीय अनाहत पिछले दो सत्र से शानदार फॉर्म में है। उन्होंने 2025 में विश्व जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता था। पुरुष वर्ग के पहले दौर में विश्व के 42वें नंबर के खिलाड़ी वेलवन सेंथिलकुमार? (अभय सिंह) ने ... [illegible] खिलाड़ी रमित टंडन ने कतर के अब्दुल्ला अल-तमीमी को 11-6, 11-7 से हराया। विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर काबिज वीर चोटरानी को हालांकि स्विट्जरलैंड के यानिक विलेल्मी से 9-11, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा।

पैन एम कप बिलियर्ड्स सितवाला ने जीता रजत

नई दिल्ली। भारत के ध्रुव सितवाला को कनाडा के विन्निपेग में आयोजित पैन एम कप बिलियर्ड्स चैंपियनशिप के फाइनल में सिंगापुर के पीटर गिलक्रिस्ट से 972-1500 से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। मौजूदा एशियाई बिलियर्ड्स चैंपियन सितवाला ने फाइनल की शुरुआत शानदार अंदाज में की थी, लेकिन वह अपनी बढ़त को बरकरार नहीं रख सके। फाइनल के शुरुआती चरण में सितवाला 450 अंकों की बढ़त पर थे, लेकिन धीरे-धीरे वह बढ़त उनके हाथ से निकल गई। सितवाला ने कुछ साल पहले न्यूजीलैंड ओपन के फाइनल में गिलक्रिस्ट को हराया था।

रोनाल्डो की बहन एल्मा पहुंचीं केरलम, सीएम से मिलीं

तिरुवनंतपुरम। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की बहन एल्मा अवेइरो ने केरलम की यात्रा के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन से मुलाकात की। सतीशन ने 'एक्स' पर मुलाकात का एक वीडियो भी साझा किया और कहा, 'केरलम की अपनी यात्रा के दौरान क्रिस्टियानो रोनाल्डो की बहन एल्मा अवेइरो के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। मैंने उन्हें बताया कि मलयालियों के दिल में फुटबॉल और क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए, कितना अपार जुनून और प्यार है।'

दलीप ट्रॉफी : खिताबी मुकाबला 6 सितंबर से, ईस्ट जोन से भिड़ंत

तिलक की बैक-टू-बैक तगड़ी पारी, फाइनल में साउथ जोन

बेंगलुरु

कप्तान तिलक वर्मा के नाबाद अर्धशतक से दक्षिण क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के चौथे और अंतिम दिन उत्तर क्षेत्र पर 7 विकेट की जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई।

उत्तर क्षेत्र के 181 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण क्षेत्र ने तिलक (नाबाद 51) और रविचंद्रन स्मरण (नाबाद 32) ने चौथे विकेट के लिए 80 रन की अटूट साझेदारी से जीत हासिल की। दक्षिण क्षेत्र ने दूसरे सत्र के आखिर में 3 विकेट पर 182 रन बनाकर जीत दर्ज की। अब 6 सितंबर से चेन्नई में होने वाले खिताबी मुकाबले में उसका सामना पूर्व क्षेत्र से होगा।

तिलक ने दिखाया शानदार संयम

पहली पारी में नाबाद 116 रन बनाकर दक्षिण क्षेत्र को 117 रन की महत्वपूर्ण बढ़त दिलाने वाले तिलक उस समय क्रीज पर आए जब उनकी टीम 102 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी। तिलक ने एक बार फिर शानदार संयम और तकनीक का परिचय देते हुए तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ और बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक की अगुआई वाले उत्तर क्षेत्र के गेंदबाजी आक्रमण का डटकर सामना किया। बराड़ ने लगातार लेन और स्टंप को निशाना बनाती गेंदों से तिलक की परीक्षा ली जबकि मुश्ताक ने पिच से मिल रहे असमान उछाल का फायदा उठाकर उनके फुटवर्क को चुनौती दी। तिलक ने इन चुनौतियों का शानदार अंदाज में सामना किया और ऑफ साइड में कुछ बेहतरीन ड्राइव लगाए।

दक्षिण क्षेत्र ने उत्तर क्षेत्र को 7 विकेट से हराया

उत्तर क्षेत्र का लचर क्षेत्ररक्षण

उत्तर क्षेत्र ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में 7 विकेट पर 256 रन से की थी। इस समय उसे 139 रन की बढ़त हासिल थी। अंशुल कंबोज ने 29 गेंद में 36 रन की आक्रामक पारी खेलकर टीम की बढ़त को 180 रन के पार पहुंचाने में मदद की। पिच के टूटने और गेंद के असमान उछाल के कारण दक्षिण क्षेत्र के लिए लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल नजर आ रहा था लेकिन उत्तर क्षेत्र के लचर क्षेत्ररक्षण ने भी दक्षिण को मुश्किल स्थिति से निकलने में बड़ी मदद की।

जगदीशन और गुई ने की 64 रन की साझेदारी

जगदीशन और गुई ने पहले विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी की थी। मैच के चौथे दिन बल्लेबाजी करने आए तिलक ने आखिरकार कामरान इकबाल? लेग स्पिनर ... इकबाल की गेंद को कवर के ऊपर से चौके के लिए भेजकर दक्षिण क्षेत्र की जीत पर मुहर लगाई।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

पडिक्कल को फायदा, नीचे खिसके गिल और बुमराह

पंत टेस्ट क्रिकेट में टॉप टेन पर बरकरार

दुबई

भारतीय कप्तान शुभमन गिल जारी आईसीसी की टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में 2 पायदान और जसप्रीत बुमराह गेंदबाजों की रैंकिंग में एक पायदान नीचे खिसक गए, जबकि देवदत्त पडिक्कल 54वें स्थान पर पहुंचने में सफल रहे। श्रीलंका दौरे पर तीन पारियों में केवल एक अर्धशतक लगाने वाले गिल दो स्थान नीचे नौवें नंबर पर खिसक गए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में सातवें स्थान पर शीर्ष भारतीय बल्लेबाज बने हुए हैं। यशस्वी जायसवाल की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है और वह भारतीय सलामी बल्लेबाज 11वें स्थान पर हैं।

पांच पायदान ऊपर चढ़े पडिक्कल

श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में दो शतक की मदद से 328 रन बनाने वाले पडिक्कल पांच पायदान ऊपर 54वें स्थान पर पहुंच गए। दिग्गज तेज गेंदबाज बुमराह ने हालांकि टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अपना दूसरा स्थान गंवा दिया है। अब वह ऑस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क और न्यूजीलैंड के मैट हेनरी के बाद तीसरे स्थान पर हैं। बुमराह घुटने में चोट के कारण श्रीलंका दौरे पर नहीं जा पाए थे। उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है, लेकिन उनकी उपलब्धता फिटनेस मंजूरी मिलने पर निर्भर है। श्रीलंका के युवा बल्लेबाज सोनल दिनुषा अपने इस शानदार प्रदर्शन के दम पर बल्लेबाजों की रैंकिंग में 29 पायदान ऊपर 28वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंका टीम घोषित

कोलंबो। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले वनडे और टी20 सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की कप्तानी में टीम का ऐलान कर दिया है। सीरीज 15 सितंबर से शुरू हो रही है। श्रीलंका को इस दौरे पर 3 टी20 और 3 वनडे मैच खेलना है। वरिष्ठ आलराउंडर दोनों सीरीज में उपकप्तान होंगे। पथुम निसांका, जिन्होंने हाल के महीनों में वनडे में शानदार फॉर्म दिखाया है, उनसे एक बार फिर टॉप ऑर्डर में मजबूती की उम्मीद की जाएगी। उनके साथ कामिल मिशारा, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानागे और पवन रत्नायके हैं। ये बल्लेबाजों को मजबूती देंगे। इसके अलावा, टीम में अनुभवी ऑलराउंडर पूर्व कप्तान दासुन शनाका, ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा और दुनिथ वेलालागे भी हैं। ये खिलाड़ी श्रीलंकाई टीम की गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभाग में मजबूती देंगे।

बीसीसीआई ने गंभीर अगरकर और लक्ष्मण को मुंबई बुलाया

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट के भविष्य की योजना पर चर्चा करने के लिए कोच गौतम गंभीर, सीनियर सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन अजीत अगरकर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड वीवीएस लक्ष्मण को बुधवार को मुंबई स्थित अपने हेडक्वार्टर बुलाया है। इस मीटिंग में आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे पर भारत को मिली हार की भी समीक्षा की जाएगी।

हांगकांग के खिलाफ दमदारी से उतरेगा भारत

दुबई

अपने पहले मैच में थाईलैंड के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के बावजूद बल्लेबाजी भारत के लिए चिंता का विषय बना हुआ है और वह महिला टी20 एशिया कप में पाकिस्तान से भिड़ने से पहले हांगकांग के खिलाफ गुरुवार को होने वाले मैच में इस विभाग की कमजोरियों को दूर करने की कोशिश करेगा।

वनडे प्रारूप में चार और टी20 प्रारूप में तीन एशिया कप खिताब जीतने वाली भारतीय टीम के बल्लेबाज थाईलैंड के खिलाफ अपने पहले मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे।

महिला एशिया कप में टीम इंडिया का दूसरा मैच आज

19 साल के यमाल ने किया बड़ा कारनामा

तोड़ा एम्बाप्पे का महारिकॉर्ड

बार्सिलोना

बार्सिलोना के 19 वर्षीय स्ट्राइकर लामिन यमाल ने कैंप नोउ के मैदान पर इतिहास रचते हुए, यूरोपीय फुटबॉल में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया है। रायो वैलेकानो के खिलाफ खेले गए ला लीगा मुकाबले में यमाल के दो शानदार गोलों की बदौलत बार्सिलोना ने 5-2 से धमाकेदार जीत दर्ज की।

इस मुकाबले में पहला गोल दागते ही यमाल ने क्लब के लिए अपने 50 गोल पूरे कर लिए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ लामिन यमाल यूरोप की टॉप 5 लीगों के इतिहास में 50 क्लब गोल दागने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं।

एम्बाप्पे का रिकॉर्ड ध्वस्त

महज 19 साल और 49 दिन की उम्र में यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर यमाल ने फ्रांस के स्टार फॉरवर्ड कीलियन एम्बाप्पे का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया, जिन्होंने 19 साल और 241 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। इस मामले में ... तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 20 साल और 196 दिन में 50 गोल का आंकड़ा छुआ था।

बार्सिलोना ने जीता मुकाबला

हालांकि कैमेलो ने 55वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर मैच में रोमांच बनाए रखा, लेकिन 70वें मिनट में राफिन्हा ने अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 4-2 कर दिया। इसके बाद 90वें मिनट में लामिन यमाल ने मुकाबला खत्म होने से ठीक पहले अपना दूसरा गोल कर बार्सिलोना को 5-2 से बड़ी जीत पक्की कर दी।

बार्सिलोना के लिए बनाया रिकॉर्ड

यमाल ने बार्सिलोना के इतिहास में भी 50 गोल पूरे करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया है और कई पुराने रिकॉर्ड्स को पीछे छोड़ दिया है। इससे पहले क्लब के लिए सबसे तेज 50 गोल करने का रिकॉर्ड जोसेप एस्कोला (20 साल 355 दिन) के नाम था जबकि महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने 21 साल और 120 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था। यमाल ने कैडिज के खिलाफ अपना पहला ला लीगा गोल दागकर सबसे युवा गोलस्कोरर के रूप में जो सफर शुरू किया था वह अब नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

चीन मास्टर्स : लक्ष्य का लचर प्रदर्शन, पहले राउंड में बाहर

सीधे गेम में जीत कर दूसरे दौर में श्रीकांत और तन्वी

शेनझेन

लक्ष्य सेन चीन मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में लचर प्रदर्शन के बाद बाहर हो गए जबकि किदांबी श्रीकांत और तन्वी शर्मा ने सीधे गेम में जीत दर्ज करके पुरुष और महिला एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

लक्ष्य ने लगातार गलतियां की और विश्व में नौवें नंबर के खिलाड़ी कनाडा के विक्टर लाई से 38 मिनट में 14-21 7-21 से हार गए। यह लक्ष्य की कनाडाई खिलाड़ी के हाथों तीसरी हार थी। उन्होंने लाई के खिलाफ एकमात्र जीत इसी साल मार्च में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में हासिल की थी।

श्रीकांत अगले दौर में लाई से भिड़ेंगे

श्रीकांत ने हालांकि पुरुष एकल के एक अन्य मैच में चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-15 21-15 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत अगले दौर में लाई से भिड़ेंगे। पिछले महीने मकाऊ ओपन में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीतने वाली तन्वी ने डेनमार्क की अमाली शुल्ज को 21-16 21-17 से हराकर महिला एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। अगले दौर में उनका सामना जापान की टोमोका मियाजाकी से होगा।

सात्विक और चिराग आगे बढ़े

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भी जुनैदी आरिफ और कांग खाई शिंग की मलेशिया की जोड़ी को 21-11, 21-16 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता इस जोड़ी का अगला मुकाबला फ्रांस के पोपोव बंधुओं क्रिस्टो और टोमा जूनियर से होगा। ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की भारत की मिश्रित युगल जोड़ी ने भी थाईलैंड के टोन्नाकोर्न साएहेंग और टोनिचा साएहेंग को 21-6 21-9 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। अगले दौर में इस भारतीय जोड़ी का सामना चीनी ताइपे के लियू कुआंग हेंग और यू चिन हुई से होगा।

हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब बाएं कंधे-सीने में अकसर महसूस हो दर्द

मेरी उम्र 53 वर्ष है। पिछले कुछ समय से रात में अकसर मेरे बाएं कंधे और सीने में दर्द होता है। कुछ देर बाद ठीक हो जाता है। कृपया बताएं कि यह कोई चिंता की बात तो नहीं?

-देवेंद्र, बालोद

आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए, क्योंकि आप बता रहे हैं बाएं कंधे और सीने में दर्द होता है। कई बार यह दर्द हार्ट की वजह से भी होता है, लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी करना ठीक नहीं है। और यह भी जरूरी नहीं कि सभी दर्द हार्ट की वजह से ही होते हैं। इसलिए आप हार्ट स्पेशलिस्ट से संपर्क जरूर कर लें, वह इसकी वजह जानकर ट्रीटमेंट शुरू करेंगे।

मेरी उम्र 38 वर्ष है। हाल में ही अल्ट्रासाउंड से पता चला कि मेरी किडनी के पास कुछ सिस्ट हैं। क्या इसका ऑपरेशन करवाना चाहिए या दवा से ठीक हो जाएगा? प्लीज सजेस्ट करें।

-रचित, बिलासपुर

ऐसे मामले में बगैर रिपोर्ट देखे कुछ भी कहना ठीक नहीं है। सिस्ट कैसी है किस पोजीशन में है? इसकी जानकारी जरूरी है। इसलिए बेहतर होगा कि आप किसी जनरल फिजिशियन से संपर्क करें। वह रिपोर्ट देखकर डिसाइड करेंगे। उसी के अनुसार ही आप ट्रीटमेंट कराएं। बगैर डॉक्टर से संपर्क किए कोई भी ट्रीटमेंट ना शुरू करें। इससे नुकसान हो सकता है।

मेरी उम्र 26 वर्ष है। पिछले साल खेलते समय कलाई पर मोच आ गई थी। मालिश, पट्टी से आराम मिल गया था। लेकिन कुछ दिनों से कलाई में फिर दर्द हो रहा है। अब मुझे क्या करना चाहिए?

-लक्ष्य, बहादुरगढ़

बेहतर होगा कि आप एक बार कलाई का एक्सरे करा लें। कई बार ऐसे मामले में हेयर लाइनर फ्रैक्चर होता है, जो तुरंत समझ में नहीं आता लेकिन उसका असर बाद में दिखता है और दर्द शुरू होता है। इसलिए एक्स-रे कराकर आप हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लें।

मेरी उम्र 32 वर्ष है। मैंने 5 महीने पहले हेयर ट्रांसप्लांट कराया था। पिछले कुछ दिनों से सिर में ईचिंग और इरिटेशन फील हो रही है। अब मुझे क्या करना चाहिए?

-सुमित, रायपुर

आप उस डॉक्टर से संपर्क करें, जिनसे हेयर ट्रांसप्लांट कराया हो, क्योंकि उन्हें हेयर ट्रांसप्लांट के बाद होने वाली परेशानी के बारे में पता होगा और इसका इलाज क्या होता है वही अच्छी तरह बता सकते हैं। अगर आप नए डॉक्टर से संपर्क करेंगे तो वह पहले जांच कराएंगे, इसके बाद ट्रीटमेंट शुरू होगा।

मेरी उम्र 59 वर्ष है। मैं एक साल से पाइल्स की समस्या से परेशान हूं। पहले यह बादी था, लेकिन पिछले कुछ समय से खून भी आने लगा है। कृपया मेरी इस समस्या का स्थाई समाधान बताने का कष्ट करें।

-एक पाठक, ईमेल से

सबसे पहले काम आप यह करें कि मिर्च मसाला वाला खाना बिल्कुल बंद कर दें। साथ में चाय में अदरक, काली मिर्च, सोंठ पावडर इसका इस्तेमाल भी न करें। आपको खाना बिल्कुल सादा खाना चाहिए। रात में हल्का खाना खाएं। साथ ही नियमित रूप में पपीता खाने में जरूर शामिल करें। इस तरह खान-पान में बदलाव कर आपको आराम मिल सकता है। ज्यादा परेशानी होने पर जरूर आपको डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरे दाएं कान और उसी तरफ सिर में रह-रहकर दर्द शुरू हो जाता है। कभी-कभी टीस के साथ कानों में घरघराहट जैसी आवाज आती है। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-विकास, भोपाल

आपको सबसे पहले कान के डॉक्टर से यानी ईएनटी विशेषज्ञ से कान का चेकअप करवाना चाहिए, क्योंकि कान में परेशानी होने से सिर दर्द भी शुरू होता है। आप इस बात पर गौर करें कि हाल फिलहाल में कान में कोई चोट तो नहीं लगी थी। अगर ऐसा नहीं है तो ईएनटी विशेषज्ञ के पास जाना ठीक रहेगा। इस बात का भी ख्याल रखें कि रोड में बैठे कान साफ करने वाले से कभी कान साफ ना कराएं। यह आपके लिए और भी नुकसानदेह हो सकता है। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

विभिन्न वजहों से होने वाले शारीरिक दर्द और सूजन से राहत दिलाने में हाल के वर्षों में फिजियोथेरेपी बहुत कारगर साबित हो रही है। इसके अलावा कुछ न्यूरोलॉजिकल और चाइल्ड डेवलपमेंट से जुड़े मामलों में भी इफेक्टिव है। वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे (8 सितंबर) के अवसर पर एक्सपर्ट डॉक्टर बता रहे हैं इसके विभिन्न पहलुओं के बारे में।

फिजियोथेरेपी: बिना साइड इफेक्ट्स दर्द और सूजन में मिले रिलीफ

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. सर्वोत्तम चौहान

चीफ फिजियोथेरेपिस्ट

प्रोफेसर हेडफोर्ट, गुरुग्राम

फिजिकल थेरेपी (फिजियोथेरेपी) ऐसी चिकित्सा विधि है, जिसमें किसी दवा का इस्तेमाल नहीं किया जाता और न ही आमतौर पर इस थेरेपी के साइड और आफ्टर इफेक्ट्स होते हैं। आधुनिक फिजिकल थेरेपी जोड़ों और मांसपेशियों के दर्द के अलावा लकवाग्रस्त हो चुके मरीजों की समस्याओं को दूर करने, अन्य न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम्स और दिल को स्वस्थ रखने वाले व्यायामों के जरिए राहत पहुंचाती है।

बढ़ रहा है इसका दायरा

फिजिकल थेरेपी (फिजियोथेरेपी) का दायरा दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। जैसे, विभिन्न प्रकार की दुर्घटनाओं के कारण जोड़ों या मांसपेशियों में लगने वाली चोटों या फिर उनसे होने वाले शारीरिक दर्द से राहत पाने के लिए फिजियोथेरेपी का सहारा आम बात हो गई है। गौरतलब है कि जोड़ों से संबंधित कुछ बीमारियां जन्मजात होती हैं, जिनसे राहत पाने में फिजियोथेरेपी की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसके अलावा जोड़ प्रत्यारोपण (ज्वॉइंट रिप्लेसमेंट) के बाद भी फिजियोथेरेपी की जरूरत पड़ती है। खेलों के दौरान लगने वाली चोटों और उनसे राहत पाने के लिए फिजियोथेरेपी की मदद भी ली जाती है।

पूरक और एकल चिकित्सा दोनों

अनेक मामलों में फिजिकल थेरेपी पूरक चिकित्सा के तौर पर कार्य करती है तो वहीं कुछ ऐसे भी मामले होते हैं, जहां यह मरीज को एकल चिकित्सा के तौर पर राहत प्रदान करती है। सबसे पहले फिजिकल थेरेपिस्ट मरीज के दर्द का कारण क्या है, इसे जानने का प्रयास करते हैं। कारण का पता चलने पर फिजिकल थेरेपी से इलाज की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाती है।

सूजन व दर्द के नियंत्रित हो जाने के बाद फिजिकल थेरेपी की विभिन्न विधियां जैसे इलेक्ट्रोथेरेपी आदि का इस्तेमाल किया जाता है। इलेक्ट्रोथेरेपी से सूजन और दर्द में राहत मिलती है। कई तरह के इलेक्ट्रिक उपकरणों से, जो सूजन और दर्द को कम करने में सहायक होते हैं। जैसे टीईएनएस, आईएफटी, पल्स इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड थेरेपी, टीकार थेरेपी और अल्ट्रासोनिक थेरेपी। हाई पॉवर लेजर तकनीक फिजियोथेरेपी की आधुनिक उपचार विधि है।

सावधानी बरतना है जरूरी

शरीर के किसी भी अंग में तेज दर्द और बहुत ज्यादा सूजन होने पर फिजियोथेरेपी और इससे संबंधित गैजेट्स का इस्तेमाल नहीं किया जाता, जब तक कि तेज दर्द की स्थिति नियंत्रण में नहीं आ जाती और मरीज राहत महसूस नहीं करता। दवाओं से सूजन और दर्द कम हो जाने के बाद ही फिजियोथेरेपी का मरीज पर इस्तेमाल किया जाता है।

अर्थराइटिस में दिलाए राहत

अर्थराइटिस का इलाज फिजियोथेरेपी से इन विधियों के जरिए अच्छी तरह से किया जाता है। विद्युतीय उपकरणों से मरीज को राहत देना, जिसे इलेक्ट्रोथेरेपी कहते हैं। ट्रांसक्यूटेनियस इलेक्ट्रिकल नर्व स्टिमुलेशन (टीईएनएस-टेंस), क्लास 4 हाई पॉवर लेजर थेरेपी अर्थराइटिस खासकर इंफ्लेमेटरी अर्थराइटिस के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने जाने वाली तकनीक है। फिजिकल थेरेपिस्ट के अनुसार सप्ताह में तीन बार लगभग 1 से 2 महीने तक लेने के बाद रोगियों को दर्द से राहत मिलती है। इसमें शामिल हैं- एक्सरसाइज थेरेपी, मांसपेशियों की स्ट्रेचिंग, स्ट्रेंथनिंग एक्सरसाइज, स्विस बॉल एक्सरसाइज, बैलेंस एक्सरसाइज, अल्ट्रासोनिक थेरेपी।

पीठ दर्द में मिलती है राहत

लंबे समय तक बैठे रहना, चलने-फिरने, उठने-बैठने और कार्य करने के दौरान गलत पोस्चर रखना, कमजोर मसल्स, पुरानी चोटें, लगातार पीठ दर्द का कारण बन सकती हैं। फिजियोथेरेपी का मकसद दर्द कम करना और मूवमेंट को बेहतर बनाना भी है। जरूरी इलाज में मूवमेंट कंट्रोल को बेहतर बनाने वाली एक्सरसाइज, एरोबिक कंडीशनिंग और खास मसल्स को मजबूत करने के साथ-साथ फ्लेक्सिबिलिटी पर काम करना शामिल हो सकता है।

पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी में सहायक

स्ट्रोक के बाद व्यक्ति को कमजोरी, चलने-फिरने और शारीरिक संतुलन को स्थापित करने में दिक्कत होती है। स्ट्रोक के कारण प्रभावित हुए हाथ का इस्तेमाल करने में दिक्कत हो सकती है। यहां मरीज के रिहैबिलिटेशन का मकसद दिमाग और शरीर को फिर से चलना-फिरना सीखने में मदद करना है। फिजियोथेरेपी में टास्क-स्पेसिफिक ट्रेनिंग, स्ट्रेंथ एक्सरसाइज, मूवमेंट की बार-बार प्रैक्टिस, को-ऑर्डिनेशन और मोबिलिटी को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन की गई एक्टिविटीज शामिल हो सकती हैं।

डेवलपमेंटल डिले में हेल्पफुल

डेवलपमेंटल डिले या विकासात्मक विलंब वह स्थिति है, जब कोई बच्चा अपनी उम्र के अन्य बच्चों की तुलना में शारीरिक, मानसिक, भाषा या सामाजिक कौशल (सोशल स्किल) सीखने में लगातार पीछे रह जाता है। फिजियोथेरेपी से ऐसे बच्चों की न्यूरो और सेरेब्रल पाल्सी सरीखी बीमारी के कारण होने वाली दिक्कतों या कुछ डिसऑर्डर्स को एक 'पर्सनलाइज्ड फिजियोथेरेपी प्रोग्राम' से फायदा हो सकता है। इलाज में उम्र के हिसाब से स्ट्रेंथनिंग एक्सरसाइज, बैलेंस और कोऑर्डिनेशन एक्टिविटीज, चलने-फिरने की ट्रेनिंग, स्ट्रेचिंग और फंक्शनल या प्ले-बेस्ड थेरेपी शामिल हो सकती है, जिनका मकसद बच्चे को रोजमर्रा के कामों में ज्यादा आत्मनिर्भर बनाते हुए उसके चलने-फिरने और बैठने की क्षमता को बेहतर बनाना है। बच्चे की उम्र बढ़ने के साथ थेरेपी को बदला जा सकता है।

स्पोर्ट्स इंजरीज में लाभप्रद

खेलकूद में भाग लेने वाले किसी भी व्यक्ति को चोट लग सकती है। खेल के दौरान उनके टेंडन या लिगामेंट में चोट लग सकती है, जिसके कारण उनके प्रभावित अंग में मोच, दर्द और खिंचाव आदि समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। फिजियोथेरेपी के जरिए ऐसे मामलों में सबसे पहले लक्षणों को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है। स्पोर्ट्स इंजरी के इलाज में थेराप्यूटिक एक्सरसाइज, मोबिलिटी एक्सरसाइज, मैनुअल थेरेपी, बैलेंस स्थापित करने की ट्रेनिंग शामिल हो सकती है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

फिजिकल थेरेपी और पेन मैनेजमेंट

जोड़ों में दर्द या शरीर के किसी अन्य भाग में मांसपेशियों में सूजन व दर्द को नियंत्रित करने का कार्य फिजिकल थेरेपी करती है लेकिन इसके साथ ही दर्द को नियंत्रित करने वाले विशेषज्ञ यानी पेन मैनेजमेंट स्पेशलिस्ट अपनी ओर से दवाएं और कुछ अन्य आधुनिक चिकित्सकीय विधियों का भी सहारा लेते हैं। उदाहरणस्वरूप अनेक मामलों में पेन मैनेजमेंट स्पेशलिस्ट फिजिकल थेरेपी के अलावा जोड़ों की समस्या से राहत पाने के लिए कार्टिलेज के पुनर्निर्माण (रीजेनरेशन) के लिए मरीज के रक्त से प्लेटलेट रिच प्लाज्मा (पीआरपी) लेकर उसी के शरीर में इंजेक्ट करते हैं। इसके परिणामस्वरूप जोड़ों में कार्टिलेज के पुनर्निर्माण में मदद मिलती है या एक बार फिर से कार्टिलेज के पुनः विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है।
फिजिकल थेरेपी दर्द के प्रबंधन (पेन मैनेजमेंट) में स्वतंत्र रूप से भी बतौर चिकित्सा पद्धति कार्य करती है, किंतु कुछ अनेक विशेष मामलों में पेन मैनेजमेंट स्पेशलिस्ट फिजिकल थेरेपी के साथ दवाओं और आधुनिक तकनीक का सहारा लेते हैं। जैसे 'अल्ट्रासाउंड गाइडेड इंटरवेंशनल पेन मैनेजमेंट' तकनीक से किसी अंग के दर्द वाले भाग की नसों को दर्द निवारक इंजेक्शन के जरिए अवरुद्ध कर देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप दर्द का एहसास कम हो जाता है।

डाइट सजेशन

अंशु सिंह

सोशल मीडिया के प्रभाव, पश्चिमी खान-पान और तेज जीवनशैली जैसी वजहों से आजकल हर उम्र के लोगों की डाइट हैबिट बिगड़ रही है। फल और सब्जियों के बजाय फास्ट फूड और जंक फूड्स हमारे हेल्थ पर बुरा असर डालते हैं। इसलिए इससे बचना जरूरी है।

आपकी डेली डाइट में हों पौष्टिक फल-हरी सब्जियां

सोशल मीडिया एवं टीवी विज्ञापन हमारे खान-पान को प्रभावित कर रहे हैं। पश्चिमी खान-पान का प्रभाव बढ़ गया है। इस कारण ही पैकेज्ड और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की खपत में तेजी आई है। जबकि इन जंक फूड में विटामिन, खनिज और फाइबर जैसे पोषक तत्वों की भारी कमी होती है। इनमें वसा, नमक और चीनी (एचएफएसएस फूड) की मात्रा इतनी अधिक होती है कि वह स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

बच्चों पर बुरा असर: मीठे स्नैक्स एवं पेय अक्सर दांतों की सड़न और कैविटी बढ़ाते हैं। नन्ही-सी उम्र में बच्चों के दांत खराब होने लगे हैं। वयस्क ही नहीं छोटे बच्चों को भी मधुमेह अपनी चपेट में ले रहा है। पाचन बाधित होने से पेट फूलने, कब्ज और दस्त संबंधी समस्याएं जन्म ले रही हैं। उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, डायबिटीज से लेकर मोटापे की समस्या दिनों दिन विकराल होती जा रही हैं। कुछ मामलों में कैंसर का जोखिम भी बढ़ता दिखाई दिया है। इतना ही नहीं, ये प्रोसेस्ड एवं अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड प्रतिरक्षा प्रणाली को भी कमजोर कर रहे हैं। संक्रमण जल्दी होने से बीमारियों को आने में देर नहीं लगती। शारीरिक के साथ अवसाद एवं दूसरी मानसिक समस्याएं भी उत्पन्न होने लगती हैं।

कम हो रहीं फल-सब्जियां: स्वस्थ रहने के लिए फल, ताजी हरी सब्जियां, दूध-दही, अनाज, पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेड, ड्राई फ्रूट्स एवं खनिज पदार्थों की आवश्यकता होती है। लेकिन आज हमारी थाली से ये सारी चीजें गायब हैं। असल में जैसे-जैसे जिंदगी की रफ्तार तेज होती गई, तो लोगों की प्राथमिकताएं एवं आदतें भी बदलती जा रही हैं। नौकरीपेशा अभिभावकों के लिए अपने बच्चों में हेल्दी फूड हैबिट्स यानी सेहतमंद खान-पान एक चुनौती बनने लगी। समय कम रहने से सब कुछ फास्ट करने की आदत पड़ गई। यही लत खान-पान में भी लगी। फास्ट फूड की संस्कृति ऐसी विकसित हुई कि घर में खाना बनाने की जगह फास्ट फूड रेस्टोरेंट्स से भोजन आने लगा। फल की जगह केक-पेस्ट्री, चॉकलेट ने ले ली। स्वाद नमकीन करने के लिए चिप्स, पिज्जा या बर्गर खा लिया।

टीवी-मोबाइल देखते हुए खाना: लोगों की आदतें बदल गई हैं। पहले जहां फर्श पर बैठकर भोजन करते थे। खाने से पहले प्रार्थना करते थे। आज बिस्तर पर, टीवी,

मोबाइल देखते हुए खाना खाते हैं। जब घर के बड़े ही डाइनिंग टेबल पर स्मार्टफोन या टीवी देखते हुए भोजन करते हैं, तो बच्चे क्या सीखेंगे? मोबाइल देखते हुए उन्हें आभास भी नहीं होता कि कितना खाना खा लिया। जंक फूड की लत इतनी बढ़ गई है कि अब किंग साइज बर्गर से कम में मन नहीं भरता। लोग प्रोसेस्ड फूड से अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड तक पहुंच गए हैं।

माइंडफुल ईटिंग को मिले बढ़ावा: न्यूट्रिशन एवं वेलनेस एडवाइजर केतकी सिन्हा का कहना है कि समाज में खान-पान को लेकर जागरूकता लाने की आवश्यकता है। पैरेंट्स को बच्चों के सामने मिसाल पेश करनी होगी। जब बच्चे उनकी खुद की थाली में पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक आहार देखेंगे, तो वे खुद ही प्रेरित होंगे। इन दिनों बच्चों से लेकर बड़ों तक को बींज ईटिंग (टीवी या मोबाइल देखते हुए खाना) की लत लगी हुई है। इसे बंद करना होगा। भोजन करते समय समूचा ध्यान खाने पर हो। इसे ही माइंडफुल ईटिंग कहते हैं। घरों के अलावा स्कूल-कॉलेजों, दफ्तरों में भी हेल्दी खान-पान को लेकर जागरूकता लानी होगी। बच्चों को बताना होगा कि घर का खाना कितना स्वास्थ्यवर्धक होता है, क्योंकि उसे पूरी स्वच्छता एवं प्यार से बनाया जाता है। हेल्दी खान-पान के अलावा एक्सरसाइज को डेली रूटीन में शामिल करना बहुत जरूरी है। सही पाचन प्रक्रिया के लिए रोजाना सभी के लिए पर्याप्त नींद लेनी भी बहुत जरूरी है।

भारतीय खान-पान में हुए बदलाव: विगत पांच दशक में भारतीय लोगों के खान-पान में काफी बदलाव देखने को मिला है। इसे ये आंकड़े सिद्ध करते हैं-

- अनाज का सेवन 63 प्रतिशत से घटकर 57 प्रतिशत हो गया है।
- डेयरी, अंडे और पौधों की उपज का सेवन दोगुना हो गया है।
- चावल और अन्य अनाजों की खपत में भारी गिरावट हाल के वर्षों में देखी गई है।
- गेहूं की खपत में विगत कुछ वर्षों में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- चीनी और वसा के सेवन में भी 3 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।

इससे साबित होता है कि हमारी डाइट हैबिट में किस तरह के बदलाव हुए हैं। इससे पाचन समस्याएं बहुत बढ़ी हैं। *

पौष्टिक खाने को अपनाना होगा

यह अजीब विडंबना है कि एक तरफ देश कुपोषण की समस्या से लड़ रहा है, तो दूसरी ओर मोटापे से जूझ रहे हैं लोग भी हैं। आंकड़े कहते हैं कि वर्ष 2050 तक भारत मोटापे की राजधानी बन जाएगा। क्योंकि बाजार एवं सोशल मीडिया हमारे खान-पान को प्रभावित कर रहा है। लोग अपनी बॉडी की जरूरतों को जाने बगैर इंफ्लुएंसर्स को आंखमूंद कर फॉलो कर रहे हैं। शरीर को जहां 50 से 60 फीसदी कार्बोहाइड्रेट की जरूरत है, वहां लोग 70 से 80 फीसदी कार्बोहाइड्रेट का सेवन कर रहे हैं। एनआईएन ने जो 'हेल्दी थाली' की व्याख्या की है कि उसमें आधी संख्या फल, एक चौथाई कार्बोहाइड्रेट, एक चौथाई प्रोटीन, नट्स एवं थोड़े फैट होने चाहिए। उसे कोई फॉलो नहीं कर रहा, क्योंकि जागरूकता ही नहीं है। प्रोसेस्ड, जंक, स्ट्रीट फूड के पीछे भाग रहे सभी, जबकि स्ट्रीट फूड में अत्यधिक ट्रांस फैट होता है, जो सेहत को नुकसान पहुंचाता है। एक और चीज ध्यान रखने की है कि लोग अकसर सुबह का नाश्ता स्किप करने की गलती कर बैठते हैं। ऐसा न करें, बल्कि राजाओं की तरह ब्रेकफास्ट करें। दोपहर का लंच सामान्य एवं रात का डिनर बहुत कम मात्रा में करें। प्रोसेस्ड फूड का सेवन बिल्कुल बंद कर दें। आपकी थाली में फल एवं हरी सब्जियां हों। ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं और डाइटिशियन से संपर्क करें।

-डॉ. चारु दुआ, सीनियर डाइटिशियन, फरीदाबाद

अतिवृष्टि से खरीफ को हुए नुकसान पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री से मिले गरौठा विधायक

फसलों की बर्बादी पर प्रधानमंत्री फसल बीमा क्षतिपूर्ति दिलाने का मुद्दा उठाया

-प्रमुख सचिव राजस्व अपर्णा यू से भी की मुलाकात

-प्लॉट तो प्लॉट सर्वे कराकर किसानों को मुआवजा जारी कर हो नुकसान की भरपाई: जवाहर राजपूत

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। जनपद झांसी में लगातार हो रही भारी बारिश और जलभराव से खरीफ फसलों को हुए नुकसान का मामला गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत ने लखनऊ में उठाया है। विधायक ने अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, संजय प्रसाद और अपर्णा यू प्रमुख सचिव राजस्व से अलग-अलग मुलाकात करते हुए किसानों को अतिवृष्टि से हुए भारी नुकसान की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि खरीफ की फसल अधिकांश क्षेत्रों में बर्बाद हो गई है इसकी भरपाई के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत क्षतिपूर्ति धनराशि एवं मुआवजा के लिए प्लांट टू प्लॉट सर्वे कराए जाने की निर्देश जारी किए जाएं.

गरौठा विधायक ने अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद से लखनऊ में मुलाकात करते हुए बताया कि झांसी जिले में अनियमित बारिश, अतिवृष्टि एवं जलभराव के कारण तिल, उड़द, मूंग, मूंगफली और धान सहित अन्य खरीफ फसलों को 50 प्रतिशत से अधिक तक नुकसान हुआ है. पिछले 10-15 दिनों से जिले की सभी तहसीलों में लगातार भारी वर्षा होने के कारण खेतों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है. कई स्थानों पर खड़ी फसलें जलमग्न होकर बर्बाद हो गई हैं. विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत प्रभावित ग्राम पंचायतों और फसलों में हुए नुकसान की सूचना के आधार पर राजस्व, कृषि विभाग एवं बीमा कंपनी के अधिकारियों की संयुक्त समिति गठित कर तत्काल सर्वे कराया जाए. सर्वे में खेत में वास्तविक रूप से बोई गई फसल को आधार मानते हुए क्षति का आकलन कराया जाए, ताकि किसानों को बीमा का लाभ मिलने में किसी प्रकार की परेशानी न हो.विधायक जवाहर राजपूत ने कहा कि मौके पर खेत में खड़ी फसल को आधार मानकर बीमा एवं क्षतिपूर्ति का लाभ दिलाया जाए. जवाहर लाल राजपूत ने मांग की कि जलभराव और अतिवृष्टि से प्रभावित सभी ग्राम पंचायतों में फसलों का नियमानुसार आकलन कराकर किसानों को शीघ्र से शीघ्र क्षतिपूर्ति का भुगतान कराया जाए.

प्लॉट तो प्लॉट सर्वे कर मुआवजा जारी हो

विधायक ने प्रमुख सचिव राजस्व अपर्णा यू से भी मुलाकात की और किसानों को अतिवृष्टि से पहुंचे नुकसान की जानकारी दी. विधायक ने कहा कि झांसी में बारिश और जलभराव से खरीफ की फसलों को हुए भारी नुकसान को देखते हुए प्लॉट तो प्लॉट सर्वे कराया जाए. उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि एवं जलभराव के कारण लगभग 50 प्रतिशत से अधिक फसल बर्बाद हो गई हैं. खरीफ की फसलों को हुए नुकसान का प्लॉट-टू-प्लॉट सर्वे कराया जाए और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर किसानों को नियमानुसार शीघ्र मुआवजा दिलाया जाए.

झांसी में मनोरंजन की नई सौगात, रवि शर्मा ने किया ओपन-एयर सिनेमा का उद्घाटन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। शहर में मनोरंजन और हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में एक नई शुरुआत हुई है। ग्वालियर रोड स्थित Hotel100 के 8 एकड़ में फैले डेस्टिनेशन परिसर में ओपन-एयर सैटेलाइट सिनेमा कॉन्सेप्ट लॉन्च किया गया है। इसका उद्घाटन झांसी सदर विधायक रवि शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम में खुले आसमान के नीचे सिनेमा देखने के इस नए कॉन्सेप्ट को झांसी के मनोरंजन क्षेत्र में एक अनोखी पहल बताया गया। Hotel100 में दर्शकों को 50 फीट से अधिक बड़ी स्क्रीन और हाई-फिडेलिटी वायरलेस हेडफोन के साथ फिल्म देखने का अनुभव मिलेगा। इसके अलावा यहां ड्राइव-इन सिनेमा और लाउंज सिनेमा की सुविधा भी विकसित की गई है। ड्राइव-इन सिनेमा में लोग अपनी कार में बैठकर फिल्म का आनंद ले सकेंगे। सिनेमा के साथ Hotel100 परिसर में वेडिंग एवं इवेंट गार्डन, मल्टी-ब्रांड फूड कोर्ट और वाइन कैफे जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। इसका उद्देश्य फिल्म, डाइनिंग,

मनोरंजन और ठहरने की सुविधाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। हॉस्पिटैलिटी सेगमेंट में फिलहाल यहां 15 प्री-बिल्ट सुइट्स संचालित हैं। कंपनी की योजना वर्ष 2026 के अंत तक इनकी संख्या बढ़ाकर 80 से 85 कंटेनर-आधारित लग्जरी सुइट्स करने की है। Hotel100 के को-फाउंडर एवं CMO अग्रिवेश त्रिपाठी ने कहा कि उद्देश्य सिर्फ होटल या सिनेमा तैयार करना नहीं, बल्कि ऐसा संपूर्ण हॉस्पिटैलिटी और एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन विकसित करना है, जहां लोग परिवार और दोस्तों के साथ फिल्म, डाइनिंग और मनोरंजन का अलग अनुभव ले सकें। Hotel100 का यह नया कॉन्सेप्ट झांसी में मनोरंजन, हॉस्पिटैलिटी और लीजर डेस्टिनेशन के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।इस मौके पर फिल्म मेकर प्रमोद बोकाडिया, होटल के चेयरमैन अभिषेक शर्मा, डायरेक्टर संजय गुप्ता एवं शहर के गणमान्य नागरिक सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

कृषि शिक्षा के साथ संस्कार, कौशल और नवाचार को बनाएं जीवन का आधार -कुलपति

-रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में नवप्रवेशी विद्यार्थियों एवं नवचयनित शिक्षकों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

-कुलपति बोले- विश्वविद्यालय केवल डिग्री हासिल करने का केंद्र नहीं, व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्रसेवा का मंच है

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी में बुधवार को नवप्रवेशित स्नातक विद्यार्थियों एवं नवचयनित संकाय सदस्यों के स्वागत तथा उन्हें विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, गतिविधियों, सुविधाओं एवं कार्यप्रणाली से परिचित कराने के उद्देश्य से अभिमुखीकरण (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान मंडपम में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों एवं नवचयनित संकाय सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि कृषि शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों के समृद्ध भविष्य से सीधे जुड़ी हुई है। विद्यार्थियों को शिक्षा को केवल परीक्षा और डिग्री तक सीमित न रखते हुए ज्ञान, कौशल, नवाचार, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ना चाहिए। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश विद्यार्थियों के जीवन की नई यात्रा का शुभारंभ है। विद्यार्थी यहां उपलब्ध शैक्षणिक, अनुसंधान, खेल, सांस्कृतिक एवं अन्य सुविधाओं का भरपूर उपयोग कर अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करें।उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की आधुनिक तकनीकों को समझें, अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति रुचि विकसित करें तथा अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग किसानों एवं समाज के हित में करें।

चार शहरों तक बढ़ रहा विश्वविद्यालय का विस्तार

कुलपति डॉ. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों एवं शैक्षणिक संसाधनों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय का शैक्षणिक एवं संस्थागत विस्तार भी तेजी से बढ़ रहा है। झाँसी, दतिया और मुरैना के बाद शीघ्र ही मध्य प्रदेश के सीहोर में इंजीनियरिंग कॉलेज प्रारंभ होने जा रहा है। इस प्रकार विश्वविद्यालय का विस्तार चार शहरों तक हो रहा है, जो कृषि शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। उन्होंने बदलते कृषि परिदृश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल कृषि, जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का समुचित प्रबंधन, जलवायु-अनुकूल कृषि तथा आधुनिक कृषि तकनीकों का ज्ञान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसा ज्ञान एवं कौशल प्रदान करना है, जिससे वे भविष्य की कृषि चुनौतियों का समाधान खोजने में सक्षम बन सकें। कुलपति ने विद्यार्थियों को झांसी की वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई एवं दद्दा ध्यानचंद जी के बारे में भी जानकारी दी। नवचयनित संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि शिक्षक केवल विषय का अध्यापक नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत और आदर्श होते हैं। उन्होंने शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के साथ विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नैतिक मूल्यों, रचनात्मक सोच एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का आह्वान किया। इसके पश्चात नवचयनित संकाय सदस्यों ने अपना परिचय दिया। अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय डॉ. आरके सिंह, अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय डॉ. मनीष श्रीवास्तव तथा अधिष्ठाता, कॉलेज ऑफ फिशरीज डॉ. पीके पांडेय ने अपने-अपने महाविद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियों, पाठ्यक्रमों एवं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी। निदेशक शोध डॉ. एसके चतुर्वेदी, निदेशक शिक्षा डॉ. अनिल कुमार तथा निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. सुशील कुमार सिंह ने अपने-अपने विभागों की गतिविधियों एवं कार्यप्रणाली से विद्यार्थियों को परिचित कराया।

पाठ्यक्रम, परीक्षा और पुस्तकालय की दी जानकारी

कुलसचिव एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. एसएस कुशवाह ने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम प्रणाली, परीक्षा प्रणाली, शैक्षणिक नियमों एवं विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालय पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, अध्ययन सामग्री, डिजिटल संसाधनों एवं अन्य शैक्षणिक सुविधाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय के शैक्षणिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने तथा नियमित अध्ययन की आदत विकसित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए संचालित विभिन्न सह-पाठ्यक्रमीय एवं अतिरिक्त पाठ्यक्रमीय गतिविधियों की जानकारी भी दी गई। छात्र कल्याण अधिकारी डॉ. गौरव शर्मा ने छात्रावास, खेलकूद, विभिन्न छात्र गतिविधियों तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के माध्यम से विद्यार्थियों को समाजसेवा से जोड़ने की जानकारी दी। डॉ. प्रियंका शर्मा ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की गतिविधियों, प्रशिक्षण एवं विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। वहीं, विश्वविद्यालय के चिकित्साधिकारी डॉ. पुनीत चौधरी ने विद्यार्थियों को परिसर में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं एवं आवश्यक चिकित्सकीय सहायता की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के माध्यम से नवप्रवेशी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, अनुसंधान, प्रसार, खेल, सांस्कृतिक, एनएसएस, एनसीसी, स्वास्थ्य एवं अन्य सुविधाओं की समग्र जानकारी मिली इससे विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अपने अध्ययनकाल की बेहतर योजना बनाने और उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर सभी विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षक, नवचयनित संकाय सदस्य एवं नवप्रवेशी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सीडीओ और एडी बेसिक ने की शिक्षक संघ से वार्ता

-सात दिनों में मांगों को पूरा करने का मिला आश्वासन

-लेखा कार्यालय की अनियमितताओं से शिक्षकों में खासा आक्रोश

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा जिला वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा कार्यालय में क्रमिक अनशन किया जा रहा है। लेखा कार्यालय में व्याप्त अनियमितताओं के खिलाफ शिक्षक संघ मुखर है। आज मुख्य विकास अधिकारी, मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक द्वारा उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल से वार्ता की गई और समस्त मांगों के प्रभावी निराकरण के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने सात दिनों में शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण के लिए आश्वस्त किया। वहीं धरना स्थल पर जिला बेसिक शिक्षाधिकारी ने पहुंचकर शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया। बताते चलें कि लेखाधिकारी की कार्यशैली शिक्षकों को प्रदत्त लाभ से वंचित करने की बन गई है। इससे खासा आक्रोश पनप गया है। इसी के चलते शिक्षक क्रमिक अनशन पर बैठ गए। आज उच्चाधिकारियों से प्राप्त आश्वासन के उपरान्त धरना समाप्त किया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष जितेन्द्र दीक्षित, जिला मंत्री मृत्युंजय सिंह, प्रवक्ता अब्दुल नोमान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारत भूषण राय, संयुक्त मंत्री शिवकुमार पाराशर, कोषाध्यक्ष उमाशंकर शर्मा, अकील अहमद खान, पुष्पेन्द्र कुशवाहा, चरण सिंह पटेल, आशीष कौशिक, कैलाश सोनी, डॉ अनिरुद्ध रावत, अरुण निरंजन, जितेन्द्र त्रिपाठी, अजय सिंह परिहार, विपिन सिंह, मोहित मिश्रा, रवि पटेल, उमेश पाराशर, राजमणि पाठक, नरेन्द्र शर्मा, हर्षेन्दु गोस्वामी, भारत भूषण सिंह, मोनिका सिंह, राघवेन्द्र सिंह, राजमणि पाठक, रमन प्रताप सिंह, ज्योत्सना, जितेन्द्र सिंह, उमेश बबेले, सीमा सिंह, आनन्द मोहन मिश्रा, दीक्षा गुप्ता, अमरपाल सिंह, रविता सिंह, अनुज शुक्ला, वीर सिंह राजपूत, मुकेश सिंह, पवन दुबे, विनय यादव, हिमांशु पाठक, प्रभात पंकज, विवेक श्रीवास्तव, कौशल किशोर, राजेश लोहिया, डॉ बृजेश दीक्षित, धर्मेन्द्र सोलंकी, अंतरिक्ष कुशवाहा, मोनल सिंह, दीपक यादव, आशीष निरंजन, अनिल सोनी, हुकुम सिंह, सतेन्द्र पटेल, नीतीश पटेल, अरविन्द दीक्षित, पुष्पेन्द्र सिंह, दीपक सिंह, अवध किशोर, अरविन्द सोनी, मोहम्मद उस्मान, राघवेन्द्र पटेल, लोकेश गुप्ता, ऋषभ खरे, मनीष गुप्ता, विष्णुकांत पटेल, अजीत सिंह, कुलदीप, अमित पटेल, बालकिशन, विजयेंद्र सिंह, सुरेन्द्र नारायण, अखिलेश पटेल, मोहम्मद इरफान, रवि प्रताप सिंह, अरविन्द सिंह, चन्द्रभान, मोहित वैद्य, आमोद कटियार, चन्द्रभान सिंह, सुरेन्द्र नारायण, संजय मिश्रा, अजय रिछारिया आदि मौजूद रहे।

मेरा जन्मदिन एक संकल्प दिवस डॉ कुंवर हरिवंश सिंह

75 साल बेमिसाल - डॉ. कुंवर हरिवंश सिंह - पूर्व सांसद प्रतापगढ़ ने कल मुम्बई मुख्यालय कार्यक्रम से पूर्व बड़ा बयान दिया कहा कि

? सर्वश्रेष्ठ पांचवां सांसद अवार्ड ? लगभग 2 लाख वोट से कैंची चिन्ह से जीत

कर राजा महाराजाओं के गढ़ प्रतापगढ़ उ प्र से जीत का रिकार्ड दर्ज किए ? हर साल सदन में जन जन को रिपोर्ट कार्ड पुस्तिका दिए ? मुंबई सहित 4 लोकसभा लड़े हर जगह रिकार्ड मत मिला कूटनीति षड्यंत्र रचा लोगों ने क्योंकि में गर्व से स्वीकार्यता की में क्षत्रिय हूं

'साथियों हम राजनीति करने नहीं, राजनीति को जनहित की सेवा में बदलने आए हैं - हमारा उद्देश्य सत्ता नहीं, सेवा है; स्वार्थ नहीं, जनकल्याण है; जनता की आवाज ही हमारी प्राथमिकता रही है।' मिशन क्षत्रिय में आपका

शेर अकेला नहीं, समाज साथ में है।

11 राजनैतिक दलों ने भारत देशम मोर्चा का मुझे राष्ट्रीय संरक्षक बनाया है

इससे पूर्व 2009- 2014 तक में 14 दलों राष्ट्रीय परिवर्तन मोर्चा का संरक्षक बनकर आपकी सेवा संकल्प को पूरा करने हेतु समर्पित रह चुका था में जल्द आपकी भावनाओं का सम्मान रखकर उत्तर प्रदेश में 75- साल बेमिसाल एक बड़ा आयोजन रखूंगा जिसकी

घोषणा 20 सितंबर को आगरा सनातन शक्ति सम्मेलन कार्यक्रम में करूंगा

आप सभी आगरा सादर आमंत्रित हैं ।

धर्मो रक्षति रक्षित:

खेल मैदान के कार्य और भुगतान में घपले की चर्चा, ग्रामीणों ने की स्वतंत्र जांच की मांग

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। ग्राम पंचायत कुठौंदा बुजुर्ग में खेल मैदान निर्माण से संबंधित सरकारी अभिलेखों एवं भुगतानों में कथित विसंगतियों का मामला सामने आया है। वरिष्ठ समाजसेवी गजेन्द्र सिंह सेंगर ने जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी जालौन को शिकायती पत्र देकर मामले की स्वतंत्र तकनीकी एवं अभिलेखीय जांच कराने की मांग की है।

शिकायतकर्ता के अनुसार मेरी पंचायत ऐप पर LGD Code 68678 एवं Activity ID 60759203 के अंतर्गत Khel Ka Meidan Nirman Tar Fencing, Samtalikaran' कार्य दर्ज है। पोर्टल पर अनुमानित लागत 2.50 लाख तथा व्यय 39,839 प्रदर्शित है। वहीं ई-ग्राम स्वराज के भुगतान अभिलेखों में 19 मई 2022 को खेल मैदान में जेसीबी से गड्ढे भरने के लिए 8,100 तथा ट्रैक्टर से मिट्टी भरने के लिए 5,000 का भुगतान प्रदर्शित है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2024-25 में 38,441 का भुगतान शिव ट्रेडर्स को कम्पोजिट विद्यालय में BRC जाली निर्माण कार्य हेतु सामग्री के रूप में प्रदर्शित होने की बात शिकायत में कही गई है। जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा 24 अगस्त 2026 को भेजी गई आख्या में Activity ID 60759203 से कम्पोजिट विद्यालय के सामने चैन लिंक जाली एवं एंगल का कार्य कराया जाना बताया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि अब यह स्पष्ट किया जाना आवश्यक है कि उक्त Activity ID के अंतर्गत मूल रूप से कौन सा कार्य स्वीकृत था और विभिन्न भुगतानों का वास्तविक कार्य से क्या संबंध है। गजेन्द्र सिंह सेंगर ने मांग की है कि मूल स्वीकृति, Estimate, तकनीकी स्वीकृति, Work Order, Measurement Book, बिल-वाउचर एवं PFMS भुगतान अभिलेखों की जांच के साथ मौके का स्वतंत्र तकनीकी सत्यापन कराया जाए। यदि जांच में वित्तीय अनियमितता पाई जाती है तो जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई एवं सरकारी धनराशि की वसूली की जाए। शिकायतकर्ता: गजेन्द्र सिंह सेंगर, वरिष्ठ समाजसेवी, ग्राम कुठौंदा बुजुर्ग, विकास खण्ड जालौन, जनपद जालौन।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ०प्र०.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718